CEINTED BY STEDATSON GROSS.

्वांत्र

রীশর ত ির অপে দর্গনে অপেনের সংখ্য মৃক্ষা	O
রমন্ত্রি পতি গ্রা	tr
কপ্রবের চেড্ন	4
कलश्चरतत्र क्यां जित्र १९४० । द्वार्थ शक्कवारी शहरा	30
রশবভার সংজ্ঞা	18
লাম্যতা কলে কল্মারের রাজনাতী গ্রহন	2.74
স্থাপদর্কে জেরিসা রূপর্তীর বিবল চিন্তা	
केल्य - एट्स खाड् कड	Sy C
	7.5
धें हरत द किया, उपाणी कर क शतुर प्रश्वक पुरुषः	÷ 40
	٠ ، ٣
শ্রেডাত বর্ণনা	i pr
उसकीर लिया कब रू शक्ति व्यक्तिक वासी (अतत	9.
নালকাক্ষেৰ স্বন্ধ ও ইকি য় ভেন্নেন্দ ও প্রিয়া প্রকে	
যানো ও ক্রিনের তথ্যরিতা দেশীর স্থানিত প্র	
भाग स अवह कि एक अध्य	w
有图 集系统 新疆子	a
स्याचित विधान उत्तान। जीका उ स्टान्स स्थन 💎 २४	pile is
সাধুনুভের অভাবে ভদীয়াসনার ক্লাচার আউজন্ম	.F.4
নীল্কান্ত ও রম্বভীর ওকুজানের তত্ত্বে প্রার্থক	4.
शतम इरम्पत पाञ्चा विषय १० र	u d
पुरु महारक्ष	∂ °

के लाजभाषास्य सम्ह ।

छ गिरा।

এই জন্ম নৃত্যু পরিবভিনি জগতে প্রায় অনেকেই।
বিন্যুলভং বালিকাদিগকে বিদ্যা শিক্ষার মৃলিভ্ত করেণ
পর হলাদি পৃষণবৈলী ভূষাতে ভূমিতা না করিয়া কেবল
সুবণবিনা ভূষাতে ভূষিতা করিয়া সেই সুবণসভাদিগকে বিবণলতা পাশে বদ্ধ করিতে বাহা হামেন। অর্থান বর্ণ সন্তর্ম স্থাদনের ন্য়াদক মইয়া অপূর্বন গর্মিক হে
প্রাক্রণ ভাষা সক্ষ প্রকারে থকা করেন। ইহার দ্লাথ
প্রাক্রণ ভাষা সক্ষ প্রকার করিয়া আলাহ সাম পতি
প্রকার করি উপপত্তি প্রতি করিয়া আলাহ স্বাধান
হইয়া ঘূণা জনক হয়েন। অতএব উক্ত ভরণা দিগকৈ
নান। বর্ণালকার ভরণা তরণা ভরণা না করিয়া মানা স্থালক্লণ উপলব্ধি হইতেছে যে বিদ্যাক্রপ রভাকর রভাকর
অপেক্ষা সহসু গ্রহণ উৎকৃষ্ট।কেননা রভাকরে মণি মুক্তা

बोरानामि विविध अमृना त्रजुल जाव्य अवर मृक्ति नयुः কাঁদি নানা বিষ অমূল্য রত্নও আছে . কিন্ত বিদ্যারত্নাকরে অম্লারতুবাতীত অম্লারতুনাই। আর রতুকিরে অমৃত হলাহল উভয়েরি উদ্ভব্ছইয়াছিল। কিন্তু বিদ্যা রভাকরে অমৃত ভিন অন) উৎপন্ন কলাচ হইতে পারে নাা এবং রত্যকর হইতে উদ্ভত যে জ্যোতির্মধানারি চল্ল ওাছা কড়ুকি কেবল বাছ্) ভাষ্য বিমালকে পায়। কৈন্ত অহরহ নয় এবং তিনি দুই পক্ষাবলয়ী ও পকা পাতী। কিন্তু বিস্পারভাকর হইতে উদ্ভব যে জ্ঞানচল ডিনি বিনা পক্ষপাতে বাহাস্থান্তব্যু উভয় ভামশকেই चारत्र तिमचे करतम अव १ खन १४% त्रिम दावा काम-জুলা ছইমা চতুৰৰ মাৰ্প প্ৰাইতে জনগণের অদ্যাকালে ৰিয়াজমান হতেন ৷ অভএৰ এতাদৃশ যে বিদ্যায়াৰু ইছা প্রায়েড় দিগকে বঞ্চিত করিয়া যে আপনারা দক্তিত করণে राष्ट्रिक हेर्राटक कि किक्षिय मराख स्थान । कार्य करण ভাশ্চেপের বিষয় : • কেননা হথায় বিশাভাগ ভথায় ্রুর<u>ল জ্ঞানের প্রাদ্ভাব, অভরণ ছে বিয়েক বাছ</u>ক ুর্ক্তিসংগ্র। আপনাদিলের বিবেচনার অধীনে ত অপীন্ পাণিপুট পুরদের নিবেদন করিভেছে যে উক্ত বালিকা मिश्राक-शिक्षा निकास नियुक्त कतित्व युक्ति युक्त क्षेत्र, (क्ष्ममा केळ ठालिकातः विभाविकी इ**रेक्ट भ**नुभावनारम পতিব্রতা হইয়। পর্য সথে পর্ম পরাৎপর গার্নেগর প্ৰাপ্ত হ'বত পারিবেন। বেহেত্ক ৰামীর প্ৰতি প্ৰ'তি भावन क्रेल क्राट शामीत अधि औषि क्रामी यस्रातन। अ वियहतत केवारद्रश्यन। अ रेवन विविध कृक्ष् গণের অনুমত্যানুগারে নামা শক্তি আকবিণ পুরংগর এই

ভূমিকা ৷

প্রাক্তির সন্থান পুরানিত্ব নামক পুর প্রকাশ করি তেছে, বা রসবভী নাম্মী নারী বিদ্যাবভীপায় বিদ্যাবভা হইব। পতিকপ কপার শাদুর দৃদ্ধ বিদ্যাবভা হইবে সভীপ সংখোজি গি করিয়া স্বপতি সহিছে তত্ত্ব জানের হু তে বু মন্ত হুইলেন। বিদ্যোৎশাহী বৃদ্দেরা এই গুছের বর্গ বিন্যালকের বিনাশ দোকে রোধ যুক্ত না হইবা নার ভ্যাক্ত করিবাশ কোকে প্রাধ্য যুক্ত না হইবা নার ভ্যাক্ত করিবাশ কোকে মদ্যার দোক এক যুক্তের করিবাশ ভার্গা হুইবা ছাক্ত মহাশরেরা স্বস্তুণে এই নির্দ্র করিবাশ কাবদ্ধ প্রযুক্ত দোক দ্বিকরণ করণক ওণ গুছুপ করিবাল নহাতের মহন্ত মহন্ত মহন্ত মহন্ত মহন্ত মহন্ত স্থাকাশ পাইবেক বিন্তির জ্বনেতি:

, BE TRE 1

ं लंडातः। निय ८६ मिकियांनम कामन नियान । १८ टरम , ক্য় জ্যোভিষ্য জগত প্ৰধান।। কভি সৃতি অনুনতি व्यनुक्रम करत । अकस्पद ऋतिछोश अस्मि महमारत ।। নৈয়ারিক বৈয়ারিক সীমাধ্যা। বেদাকে। সাম পাতঞ্জল সতে বদা সেই চিত্তে ৷ নানা কপোপনিষ্প নানা লাজ ্মতে। নানা স্থানে ৰাকা ভালে তব কল্পনাতে। পৌরাল পুরান থেদ ওকপ গঠণে। কত তত্তে বাক্যাল মতের भकेरन ॥ विविध रेमविका वाचा वंशा श्रेष्ट काचि । मान मुख धम भूख छाट्य मिख मुनि।। अञ्चलक घर्छ अरहे इट्डे ट्रिक्ट मात्र । अक्ट्र शुक्रम एव प्रक्रम मार्कात ।। उड् বেন। চিত্তে কিন্তু, নিত; নিরোকার। নিলাপ্ত স্থগত সাথে শৈত। সারাংশার।। শভা রক্ত স্তম আদি ভিন্তণ প্রকাশ। ন্পায় দকলি পায় দৃটি স্থিতি নাশ।। ক্লিডাপ্তেজ মত্ত । ধম এই পঞ্ভুতে। চেতনাচেতন হয় ভোমার কৃপা-তে।। আদিতানি আদি নবগৃহ যারে কয়। তে। মার चाळात्र मत्व श्रीष्ठ कटमं त्रहः, अधिनी चाहि नक्का एव षाळाधीरम । निरंग मास्त्रम कार्य पाकिश अन्तरम ॥ ८० । শ্বাদীপর তব অনুষয়া বলে। অচল সচল সহ মহীওল

हरला। विश्व संस्था दश्क गुर्व दग्छ क्य इसे। खते खर्क कार्य बारत शरिवार्ट हुए।। यह कहा का वर्ष कहा अवदि। तानी शकः क्रिकेश्वाम क्ष्यं भने साहि।। किक्षे कमा अनुगम दिशम बाक्षि । शहाहां करत कर খ্যাতা করে সৃতি।। কটিাদি পত্তর বন্ধ রক্ষ পক্ষ নর্মা। दामह कियत नत त्रवंश शक्यों। बात सुनि श्रवि वानि ভাত মহাজন। তোমার ভূপায় দবে মুবের ভাজন। তুশ ভত্ত প্ৰভাগত এমন্ত্ৰীৰ ওটো টেডামায় নিশিক্ষ্ট কাৰি बीर कन करन ॥ कुन आहि। भए सही समासिक्ट । রবেতে ভরক ভার হয় অবিরভাগ কে ধলে বার্তে আরি मक्षाचान करवार छत द्रश्यमा व्यक्तिरहरक सहा वेष्टर करहें।। ভোষার মহিমা এলে যত জলচত্ত্রে লক্ষ্মিটল ইইয়া সভ लाहे जान कारता। **८७ जान उसका मुक्कि दिन्छि** नाम एइत । ए। मध् कामहत्र राज्यः **एक अंत्रमण्डे अभ्यास्था** ৰগতের ক্ষেত্ৰ বাংপার। ইছাতে কেবলাওর কল্পা व्यक्तात ।! मर्च मूनासाब अव्यक्ति व्यक्ति । व्यक्ति মুঞ্জাকার সর্বভূত স্বামী।। আমি মূল্যতি কি এর্থিব বর্ণ हाइड । उन्दर्भना द्विष्ठ दह व्यक्त वर्ष होइड माइट । १ विक

প্রার্ডঃ।

 जिल्ली। लेकिन नैनाई शास्त्र, सर्वतिक अन्त्रास्त्र, अवक्रों नारम डार्फा डाउन विश्व हेन्स्न क्रिना, शाहन जिल्लाम्बर्गा, जीशुरुक्य खानरम जशाहे । हिन्द्रामणे कथा, वृद्धि शशि ब्राज्याना, जाले मिल्य विद्रानामां केरे. ं उम्बंध छोटक विमानिकी, धटन टक्टव विमाविकी, मीम क्रा वास इन रूपे।। कनके द्वारणात दोहरी, करण शर्म प्रश ८७.छा. नीनकां डॉशांत महार्छ। डॉशांदर नहर कंे, সমপিনা মুকুমারী, রাজ্যভোগে রত প্রকাপতি । কন্যা ুনাম রসরতী, 'প**ভিত্রতা** স্বাধী স্থী, গা**তি** মতি স্থতি शिरि शाह । भारताहत काउँ।लिका, टारांटा ब्रांकशानिका, বিজ্লিকা আয়ে শোভাপায়।। একেড সবর্ণ পরী দিতী अंख बर्लाभति, मुदर्व विदर्भ दर्शर्भति । दर्भ यात्र यह रशक, एएवं दर्भ मविद्याल , वर्षिक दर्भ भने इस्त ।। इस्त अपूर्भ तथा बीका, कूनम मानमा त्याका, शतन विवास सक्तरण । अध्यारे जागाजुरु, शुरुष्ठरे मध्तर, कृष्क्ष प्रम महमे छ। ग ক্ষা **প্রতা**কে **প্রতা** ফলে, পারার পদত করে कराव त्यास्त्रिका नीव भाषाः। त्यम शास्त्रकः काउतकः, নাডমা আডমা অচে, ভার হর নিজ ভর রাখানা দক্তপ एक नकल, खिन खरत हेलर, प्रमधन शहापि कि का ম**ন্দং কিবা ডার, গন্ধবাহ শোভা পা**য়, খুটিণ হয় পুৰ্বিভ नांतिका। पीर्ध नंदानंत छेलात, शक्त छात्र गक्त कात्र, लकार् शक्य घटनाहरू। श्रेतक्रत कति औं छे, खानत्म शाहेरछ शीछ,

[।] मजासम्बद्धानस्थ

माना के मुधाने भेड । क्लिस्टिंड मधा मुझे किया मुझि-मेंन जन, ठेडुक्शाएं मुकाटक दिकीन । रेम्बान करेन् मिरिड, क्रायामिनी उन्दर्द हार गमा क्यन विकेशी श्रीप जार विवाक्तत, विश्वाक्त मान कात. विक्रिक इन महद्भारतः। ज्ञान् कृतु कृतुक्तकति दक्षकृति नितीक्त्यः नव। ्रभ्य-नृष्क्रांकः व एवरनः ॥ रनृर्याः कसमिनी आक्तिः । राज्यास .भ.मृतस्रिः **देश**ालायानस्यरक्षुः व्यक्ताहरूः। ते**ल्यासः स्रो**हेम সালি, প্রাণ্ড,প্রতিজাকছারি,ভাই ছারাক্ষাক্তি ছবেন ভারেন। 我也不不可到了对前,这瞬间一直更好 清晰的 电电影 可見「何」な是著名 相關行為 隔槽的 医腱炎 茶光原學項目多學院 ५५ दर्गाक वर्ष का स्क्रिक । क्या न्त्राव्य स्वापना क्रा िमा ह्यामा असमे पटकोन वहान अक्षा रक्षीस निर्मा । रिमा स्मीतम् क्रिकाकः दा मच्यां क्रा ज्यां क्रिकार विकास ह कार्य क्किम लिख्या । भिन्नाम मनिके **अन्याः सन्या**तिक कार ७ वर्षः প্রাথে সজাব নাহি ভাগ। প্রতিরাধ অসম্বের, আবার জ্ঞান প্ৰেন্ত, কিয়েলাচুল্মভৰ্ষিক ক্ষেত্ৰ প্ৰায় গ্ৰাহ প্ৰায় राज किया दला कर फीकराक घटना रहाएका, अलाना हिर्मात र इन्द्रिक्त कर मृहसम्बद्धाः ७८२५, युरस्काः, क्षीसाञ्च्यसम् अस्ति। ি লে প্রাদ্র ব্যৱ _{চালে}ন মরতা নাকি <mark>ছোতে</mark> যেখন্যাল দ্বিত ১৮১৮, জোৎস্পাচন তাড়িলা রহিক্ষা কর্মেশ্রই স্বাল্পন্ত ৪ জন্ত কৰে: কলকৌড়া করে অক্সমিভগ্রিরোম না ১ য় কেছে। প্রশ্নর র'শি জেছা সম্ভাল **করে। অভুবে** । ন্সবালি কেরি ভাষ্ট্র সক্ষা কর্মসঞ্চাট্রাক্ত জালিছে। আখা কলো ৷ চারি,পান্থে মবনাক্র,কারি ঘাট কি সুক্র, काहित अभूरतः वृद्धिसंख्यः भूमार्श्वकंभतिः स्म कर অ্বাস্থা ভাৰ, প্ৰভিৱিষ্ণ ছেক্তে বিশ্বিত।। বেজন দে গতে (বার, চিন লিভি লাছি করে, মান্স কাসার ব্যাব্যা

होत्यां संस्था संस्थान क्षेत्र (संस्था)

রিপানী। এতিকে। সন্দর্ভ, বাল সুরার বালত, বিজ্ কর স্থান আনশাস বিরাজে। পুল সভি রাপেন বান প্রার্থ নাগান, মধা এনী আনির্থন লাভি বী কুলা ভালে নাগান সলে, বিশাল আনার্থন লাভি বী কুলা ভালে পরিক ভালার। নাগান লাগা মুক্ত, অভারতি হিলা ভালে, তর সুক্তাবার। চরতি বিভাগতির উপরাল, যাব নুকা সাল্লাক, বিশাল উল্লেখনে চিনিম নিকাম যাতা, কে আল্লাভ পারে লাহা, দৈবের চারিম নালাভার। প্রভাতেতে এক নিল, কথা লাগ আজি দিন, ব্যুক্ত হোতু সামুক্ত কলন। নালালুল ভুলিবাতে, আবেশিল স্থারেই, ল্লাভির কুম্ম কলন। নালালুল ভুলিবাতে, আবেশিল স্থারই, ল্লাভির কুম্ম কলন। বালালুল ভুলিবাতে, আবেশিল স্থারই, ল্লাভির কুম্ম কলন। বালালুল ব্যুক্ত ভুলিক ভুলিক আজি, সুধা করে রাশিং, ব্যুক্ত লাগ্রি ব্যুক্ত ভুলিক ভুলিক স্থান আলে স্থানিরের, মান্ত্র প্রতি করে, প্রাণ্ড ক্র্যাল। ভঙ্গে মধ্রস্তর, প্রারুক্ত

यहाँक करत, सन् युन् साम काम जीकी गाल्युक मूल्य । यूस लग्म नाथु मुख खबा 'उवडि ज्या वाजियेम बिएउ। धमरकर महामान, मन एवन भारत है देवत गहि। भारत किया है छ। उटन करवा भवा कर, मूरणांकित करा, मूस शता छम्मा र्रेष्ट्रं में में । चेक्स में संस्कृत चाँ कि, चन्त्रा में सेक्स द्वारित विधित्र कि निर्वासिका अवस्थिति कि अवस्थित, विश्व दमरवन क बर्क व्यक्त वेशि बानिका स्माकिछ। तैति। किन्द्रत दर्गते ए (यक्त कार्मा ब्रोस कार्मी, विकिश्वास्त्र करवारी विकिए।। तिष्टरहारिन् सर्वानः ज्याग्रदयनः विक् सम्बद्धः अकत्तर अस्तिशः व्यक्ति । क्यांबृत्य त्यार्थ्के बोल्बः क्लेब्स्या कांग्रेग माहित्त, चौहारत आकारत भटिर में उन्हों नहीं स्वरत देशादर, डाझारत ८क वन करत, कंग्ने ६४त. कंग्ने १४ रमिथि। किंगे देखें ता एक्कार्ट्स, बाध्दमत कक्कार्ट्स, बाध्दहरू रमेश चार्गिया मध्य कर्ति कडिकुछ, जश ८६कू कुण्डूछ, শ্রমি রঙ্গ ভাষে লোভা করে। ভরে বিদরে দ্রতিদ্য বংশ मकीरंग्र कम्यु, कंबल किंका रेटवरियक । बीर्य कि त्नांचक रे तर फंक्न का लि जुड़े, कहीं कह कांत्र केर्दि ना ए। अयस किका अध्यति प्रताको अधि की भीतते । अभूगो भि कात से कि हैं कि 🖟 बरहा दक्त तम जानका, ब बारक विमेर्दर लाक, महन्त्र खेलीमें केस्विरिद्ध !' जिवनी देशांशान गार्ट्स, ब्रॉबश मझेस ार्ली कॉलिक क्रिका हिन्दा करत है, कहे क्रम माधुमुळ, मिलिएसंर एका, जिस्रोठी संसाध अध्यमारत । सृष्ट्रीबाट करता एका, वार्र्जन कप्रकि यथा, भणांच बहेल वदार्यक्रम । द्रमंग्रेजी दहाँदि लादि, छादिन निज अब्दाद, बहै मासू अ फि प्यद्रायां है दिनहें कता लेक्ने बादी, इंग्ला केंद्र लेक्नि हरि. নামি প্রতি ইদারার প্রক্রি: পভিত ইপের বাকা, वमात्रा महिल मधा, धाकुक वं मध्यांक डॉब्स्विम अजार

য়াছাৰ যাছা, তে শবিতে শীলোক্তা, শৈলে জন মা হীৰ আনায়ালীয়

প্রদান আশ্বিষ্ণি রজে তেকে বিনাদ্রী হন ক্রিনী করেছ -জিটিরে শেষ্ট্র প্রকারতেরের নীম্মে নাবি বিম্নু চরিত্রমান্ত লাকি দিন কর কর্পক স্বচ্চেন মাজেন প্রজ্ঞান্তর প্রিত লা জানাতর শ্বনীকে ন্যান্তর নামিক জিলা প্রতিবিদ্ধান্তর দিন্তন চর মানিকিয়ে প্রত্যান করিয়া মান্ত্রন জ্ঞানীর ভালন নিত্রন তিত্তিশান্ত

শতার পরি প্রা

জনক। দেদীপা কুল প্রদীপ সফস্টাপ কানে আর্ডি সমানার মঞু যুক্ত ম্ইলিন। ভাষাকে সভাঙ্গ त्मीवतः मृत्री मृत्रा स्थानमानिक नविष्ट मृत्रव । स्टान नाम । इडेटएट्ड । अवर श्रद्धांत एकात धनर नामकानिक स्थान। इक्षिक इडेस अवर्था नीवश्वाता इटक सामधिता वर्षण क्रिक्ट्राइ । अव्यक्ति स्थान स्थानकानिक स्थान । स्थान स्थान

- अनस्त शृहाहु न्द्रकः अस्ती यशक न्द्रती विनि किनि द्वीप्रोक्ति क्षिति क्षित्री क्षायिती व्यक्त क्षिति अपि शाद्याप्रिनी दक्षिती खक्ति। मिनि मिक्स द्वास खुटस मान्। अमटस कालरकरण श्रीकरकतः

সাধ্সুরভর, রেডন্) 👙 💢 🐰

· প্রার ৷ তেওারুবেশ কপ্রপর গাইমা চে**ভ**ন্ন - কলে হাণ কোণা বেল কামিনী রতন ১০-ভারে মেত্র মান্ত্র ১৯ট कि भूगोन कहा। अहरत रम्बिरक ग्राहत खारत ए थू 📲 🖽 নৈৰ্ভাগ আৰু কাল্ড জনে কে পুৰাদৰ্শ আশা া ছৈল বুকি এই পরে দলে নীরে ভালা দ জুরুই কলেনর ক্রেছে পঞ্জিত। আহলতা **অনুসা ৰপু** জনি বিপন্নতি । লক্ষ্যপ্ৰ রুপ্তল করিয়া চিন্তুল ্ আশাক্রণ ভরীতে করে ভূবিডে গুমন্য গংহ বনে খনেই উংহিয়া তথন। ক্লোভিয়বের। ১ ८८० कतिन धारव । विकी जादि कड़ शुक्षी कच्छ स्मरन अरद्र। कि इति। दक्षातीत वति। स्थित। उभारता। अकी वार अविभाग ग्रहाद्वरत शाम। निरू श्राम अविकृति त्राक्ता यात्राः त्राख्यांत्रे निक्षेत्रः, त्रु भव वसुष्रीः। उत्तारमध्य व्याराणिम इद्ध इकेम कि महत्वद्रण दकाया यूक्षी भागि हक्की झाबूरानी। (इस्न शिस्त तक्स नाइ) तथ দেখি শুনি। ভোমাদের ভাল চিন্তা সদা মরক্ষণ। কজাদের কর্ম কার্যা-ক্রিকপ লক্ষণ ॥ . আন দেখি কৃষ্টি भाग सका केल. नि । महास्त्रित व्हाना काव माज

কোনি। প্রাক্তা পালি দ্রিনে তাদ্ধান ক্রমির। পূহ তবে · জীয় সভা জ্যোতিষেতে দ্বিয়া এই বলালা লব আবিলায়ে ८८८मा । अवना कविशा खरम स्टिसंटम १ । . १ हेन्ने न निर्न ু সন্তঃ সূত গ্ৰন্থানন। হয়ে টিলেন আহোৱা িয়ের কারণ । क्रिक्शन वर्षियोग रहभू हर दण्ट वाल लिख हरत िल कामोधित वरत । भित्रमारम कामो नेशि छि।न राष्ट्राकारणः। अभि छाष्ट्रा लाजी लाह्न ५ हेट । लाजारा । नुस ণ ক্রিব লগত দিল্লিকে দুর্গানি ভারে। সাম্বাস্থ বিভূত কিলে, ৮খি • रमपः 😲 । गुरुवाक स्वांश कल भवन भवन । १८०, ५५, লগেনা ^{এক ম}েড ছেম্ব্ৰয় ইলফাক্ষেত্ৰত তক্ৰণীক্ষণত তালে ১৯ বলে সলবন্ধ কুল্মিং সম্ভের পর লংগ, জনসার। ेर्डिंड बहुक रहरण विकास शांक मार राज्यात है। 一个一个人的 石榴玻璃 好一一在我们的一个事故是这一场的人们不 ান্য ৷ সন্তার্গিল পেরাজিয় সেকেন সন্দান । অস্তালের からけ、何か、日 我在衙門 しゅればならです マラ ショウ・マデルコ 회원 및 107(19時間) 가용 역사 및 정신하면 5년한 회사인에 취원 🍷 लो १७ मुख्य १ क मृद्यु क्रिकेल कर्या लग्न कर्युक छ। 🖹 लाहरू भारत रीज भने वाकिसा कार्य करा । १४ (०) हिंदि गण । मेर बिस मेर ५२ को दिशक ५ ०० 🛊 ५० , नर्पयोद्ग <mark>नक् (क्</mark>राकिस्मा) क्री ग्रह पुन्द र गुन्न क्र "色"。 "我们有"有数"的人有对国人和新兴的人的特别。 人名英克里克 े भूक अन्तर विक्रियात्रम, नव्यम् ॥ १ आवस्य वनस्वयास्तर । व लागान हो। अवरचन अक्कांकि प्रशासन १५ । जन्द्रान परे उठ कियान गाहिए। लेक स्टब्स् कर होना प्राप्तकर

বোলিক। মৃদ্যতে জ্ঞান দান ন্নেরে অন্তির। জীবন জাবা বিষ্ণা, গ্রানীর। দর্শনে বিহেশ শাভ বিহুল ১৯০০ পেন - লেন চেন চলাম নিদি গিটোটা হৈ বিজ্ঞান ও বিজ্ঞান দ্যাল্য প্রান বিজ্ঞান বিজ্ঞান জাই কথা মৃত্যু প্রায়েশ ক্ষাল্য প্রান্থ কি বাশ্যাল স্থাবি আ সৃষ্টি কৃত্যু লাম গ্রাক্ষালয় বিজ্ঞান স্বাহ্যালয় বিজ্ঞান

শ্ৰক্তি:

লবালি জন্ম কলৈ ভাষ্টাৰ লে নাৰুৱন্ত কে প্রিয়ুক্তানে ভালন্ব নিশ্**ন**য়ারেও যোগ**া উদ্**র १८२५ में प्रिक्ट । इसे जिल्ला है एक एक **प्राप्त है।** was transfer by a profit for an extrement to the अपेट प्रोण नुसर्ग राज्य सः सुद्धानम् । १००० वर्षः 化电影 化二甲二胺 经共享的 网络二克斯二甲糖 蒙古 不不 化金属 · "我,我们就会会会,我们就是这个人。""我们的我们的""我们的", \$ 两个人,"你们好的时期,一点一切心**想** 缺乏的好。"从下满笔 रक्षाकेत पुरुष्यामा ५,७५० कर्र हा कर्म १०% I a timber to the animal contraction that it is not to ·健康性(signal signal nation national nat The Control of the transfer of the Control of the first of THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH 简。 大大侧鱼 化双二四烷酚钾矿 海事山河 相视轴 ক্ষণ ক্রাক্রেরিয়া বর্গ র স্থালা একাদে সুয়ালারে সমেসর ৮ अक्ष क्षेत्रक का का का अनुकार का अनुकार का का का अनुकार का अनुक अनुकार का १७२म - अस्तम हिम्मान सुक्त प्रकार । सामा र तामा भारतम् ४५ । । वहाराञ्च ६ **दन्ति र**णणालं संघान । 💎 जेतरश्र दश क्रियुत्र १ - १९९४ मान सन्य सम्बद्धाः १ नेथ । ए इर शक्षा

मध महिर चालके महरमत नवम वार्टमारयाह स ্ৰশ্সিদ্ধ দ কিলোপ কলোল ইত্যোলনে যেৰছৰে ব'ল अमालि अलाहाकान फार्रिको सकेवाल महुदम, मा भारतिए एट अन्य बर्धा प्रकृतिभागार्थीत स्माध्यास्थ र र श्रीकः। নিয় - বিষয়ন শিনিকার অসম অভিন্তি নে ১৯১১ নতা ঠান্ত পাত্রার প্রভা করে মুদ্রা হাল লাভি स्टिक । इंग त्यारिक कृतिकाति की व कर्षण खरणाहें कि तरे एक एउट । भारत क्षेत्र कडी संशोधना केल्ल करीन करीडे शर्की शर्की संशोध करें। एर का भीता प्रके कि जान्मर कराया एक उन्हां · 可能不是可 · 其外的 医心室中的 医阿耳 使不能难分 化物 ्रक्रिकी । भाग १७१ ला १काइमार व्याप्ति प्राप्ति । the contract of the contract o ুটি কাপিচিত্ৰী কুল্ল আনি এ ক্ষিত্ৰ কি কেপ্টোগ্ৰাস্থ্য লে।বিজ্ঞান্ত আ জিলিছ আনি পেতৃত্তি ক পৌৰুক্তি। সংগত ১১ (1) 对:"有一点 网络特殊人物有册 "如何不知。"他看见这样 कारितार । तम् तर्द्रवाधानमा । अवश्चिम द्वारा कृष्ण् करन 古中 医脾性人 有效情况的证明证明 人类教育 计 好处对处人 斯拉 ১০ ৮০% কেবলৈ প্ৰতিক্ৰা নাম কৰিবলৈ জনমা, জিল্লিক 计循环 的现在分词 医眼膜管 化氯磺胺丁二酚 网络的一种草草树木 ुलक करिनामार में हैं। अब अहि हराइस की समान करने। 公理工具 有性的 医双性后 阿斯特斯 城市(市 · 经现代数据实施 "明明," 自然,我一种不知,对方因为"例识别的"的现代。 के प्रकृतिकारी मुक्ति किला के अने काल है। अहा कराव दिला के हिंद देश तेष में हर और एटिए के मुंख है। तर वर्ष तर छ भौतिस । राज्यान अस्तिम जनगानि वासीकार, विशास काल भारत्ये के वे अनाम मान्य रक्ष मान्य वे व लेकित क्षाद्रश्रां नांद्रकात्र कार तित्र कि मार्टश के, भी द्रार्ट ए। ८०,५४

इक्ष्म बहालन । एथन कही कृष्टे मण छल ६१७ ४७ ारन्ड कन्। युक्तिक वाधाकरत समस्य दिशस्य दिशक्ती समन িন্দ্ৰ ছোৱে শূল মতে কালদাত ফ্লিয়ত কাশী প্ৰসেশি ্ৰি, ইং-ছাস্থাই উপবেশন করিলেন। আন্তর স্থায় নজন एक राज्य के कार्य कावरलांकल कतिया करस्पतः, लाका আন্তাপে আলাৰ কৰিকেন। যে হে প্ৰ ভূমি কামান ा, तथा मुसिष्ठ कतिएन अखना जामि एमाश्रीय मिक्रि মাত সাম কিলাম। তার জানি কৈলাশ পর্যন্ত ভাশেজা। প্ৰস্থাৰ কাৰা সামে জাখানী আভিলান হৈছে। ইছাং এ १४ तर कृष्य द्रष्टा कियं द्रमक्त करूँदा निद्र म मन्द्र हा। मा এ সাক্ষামায়ে বৰ্ণ[ি] বিজেজ দাৱিকরৰ স্থিতিত তা ১০ ब्राहर तरामाद (जारिक केप पर चार्य क्षेत्र । १८४८ काल्य । একান অভিনয় সভাল কোন্ধনিত নাত্র নাজিবন্দ এছ भरताभूत **क्रि**भक्तारक मध्य भूता । यद्धाराम आधारेब । आ मुद्राता के हिटल । ५ कर शाम, ताल अलाखन जना प्रक्रम कारत । भेटेच् १ स्टानाव ए १० विद्रत अन्य देखाँचाव राह्य भवत्व व मध्य वस्तु विकास । १ १ विष्णामी जात् के बहरता मर्क्षा विकित् ए प्रभक्त तथक। महस्राप्तव एक शक्तिके भिक्षा । एक अने । १०४ बदस साराज साराज नार र नियान 二方式 1 在 1 所称,而1915年1917年 1915年2月至 1917年 1917年 1918年 1917年 1918年 1917年 1918年 1917年 1918年 1917年 1918年 1917年 1918年 19 मंत्र मह कहा के राष्ट्राच होति।

ক্ষান্ত্ৰ চেটালিক কেপাৰ বেশে প্ৰথাৰটোৱাত ক্ষান্ত্ৰ

্টারে । থাণশের গণলাচু অনুষ্ঠান হার । কেইবাণ গণপর কাঁটরাই ডাড । গোনগা হাইল রাজ্যে। কাটামার নি । এন্মতে পাইল বার্ডা রাজা গুণলাম । কানুচরে আনে হিমাজা কাহে। আনিয়া । বাহির দেও্যানে রাজা कि छदिन निश्चा । जुनु कि नः उपरच मन्ते आह वस्तुन । জালোল। নামিও হলে ত্রমিল ওপন। রাজ আজে সন্তু-কেন্ডে 🔗 জপনসং । অভি পাতি মানা অন্ধারালে স্ব 列表: 医红霉 樂學 (內部) 泰尔 罗尔雷(西西) 《冬日》 《日本语 বংলামত গ্ৰহা গ্ৰহ ।। বুল্ইছ সপ্তশলা শান্তক। প্ৰলাভ। গ্ৰহা সৰ্ব্যান সাসু সাধা স্টালিছি।। প্ৰেরটে আপেন ৬)জ. किंदिर अन्तर । १९२० मन। हिसा कि केदि करते । १९४ कार । । त्रीकारण घर्षण महित्रतः । स्वरण ५ १८१० । हि মানি । নিজে দে কানি সাংক্রাক নাজা আলি পার নাক। 排作通讯 经工工 医抗 相信的 经工作的股票 满头 人名斯特 遊戲人 化 रूस रहीरे जान १९०७सम् देशताचा कार्यस्य सर्वे । १४६०० अनीप अगद रमने क्रिकेशन । अनोटा प्राप्तिम सोर्थ प्राप्त · 2016年1月1日 李春 西州南西市 2017年1月1日 李明春 李明明 1941年1日 大型数据工作性能调整量 网络自己 医疗 化二溴二氯甲烷 医二十二唑 ન્કરક જેનેક ફાઝ (ો જાણ્યન્ટન) इ.हें केट्र केल के पहले के इ.स.चे १० डि.हर बार्ब इंप्ट डेस्ट १ 阿森 一个种,但是是一个人的人,这种一点,不是 artino te transcripto de la compansión d পানিক সাম ১০০০ ভাৰাকী আনুষ্ঠিত ভুলৰ সংস্কৃতি হৈ সংখ্যা 化化压物 化氯化甲基甲基甲酚 电视电影化 (1877) रामिनाहर । १ । ६०वाहरण अध्यक्तिक १६८६ समूत रद छवी। भर्ग । हिंस ४. तम अस्या ५ विद्यु अस्तु छन्। नदेव राष्ट्र का ए। खिलिया सम्बन्धित का पुराद द्वारी हो एत कारत स्टूपर, ५क गहर । प्रमुख्य राज्य के ७० भूतक । अन्तिवाल कार्य एवं क्याराह गरा করিছে তেলে মহাকালে মাপেতে এবংগ ম্বেছে ছাত্ত নান ভ বাথিয়া বেলাড় করে বলে গগ্ৰসীরে চাহিলা 💢 🚓

गिविदत अन्य कत सम्मीकाल । कार्य) मिक्ति हरले स लाम श्रीकार ।। असा बादन वाल यक्ति कामाना यो नमा । काशास तल पिटन कि उसमा अहे ताका है पर , इन प्रमुखार । खांकारमार एक्टर एवं पन पर कर्नाता न है यदन जमा पदन जो ने छोते भोता। जरमा छम्छि अने अतारका जाना ।। जाहांना तर्जन वाणि स्मिनाण न्त्र । श्रीकात्र कार्याका जान। ज्योतिस्य खरास । जिल्लाहाः का भारत नाहर कम नहा वक्षा । टक्का विस्ता वांगा करी ा रह जन जो। अवश क्षत राष्ट्री करिया रस्त एका अपन स्थान द्यान भारत वासम । महीद्र घटन वित्र प्रांमाहिया बाह्य वार्यकारम दहरू न १ । व्यक्ति । इन् । हिंद्रों स्टिकार्ड हिंकि काल एक केल १ ५०% है एन क्रांमा क्रीतर श्रम्मा । साम्र का । भारत १८ । १८० ५।छ ार करणाहि राहेद्रार नम कामराह संबुद्ध । । ।(अत् शत क বিষ্ণার এইবড় সালে কছে। সম্পত্তি কিবলোগ ক্লাভাই মান্ প্রতিষ্ঠার শাল্মিক **স্**রেমি কর্ম প্রতিষ্ঠা अंदर आहे के प्रश्ति र का धन । खन हैं का है है है। यह स्थार अहे तर राज्य विकित्स अहेता करों अहे असा ुँदरास् का अद्भु द्वादेश्च र ध्रिकेत् । विभिन्न । अनुभारतः भागा a) & তা**লি** প্রায়ল বিদ্যাল ক্রান্ত্রনার সভার জন্ম তালি স্থানি স্থানি স্থানি স্থানি স্থানি স্থানি স্থানি স্থানি স নাৰ্যকে এইকন সাক্ষান্ত্ৰত নিয়া জানি **ভাৰ** करना नगांच । उपद्रित भी जा ना कह सम्ब्रिय क्षाक् या भावा भाग निष्य नृतिहार । । के बार्य विभक्ति र्भारे केव विवासान ।। उस राखा विशादक मही एवं त्यांका লা স্বাং ইন্ড ধয়া করে জন্মহাশায় । **এইবা**প মান্ तिम करा सर्वाधन । आधारिया विषया करत पिया उछ-ওন । আন্দল লাগ্রে ব্বিজ্ ছটায় মধান। বংসান সভার

हारक जरप बक्र धन ॥ वदकार्या (नरहानी कहेल करू কল : সংগদেশে ক্রেপরে যায় দার্শালাণ কাল্ काम। कवि मरत महिसीयत करा। है। कुतारी कहा कुट रहति भव्याप्रः। व्याधार्यः शाविषः। शक्षिकः द्रिल प्राप्तः। भारा एउ कामणात करव काशणमा। सानि शानी यह इंग्रें भागल शहरहा के हांत्र शहराहि काम मास्त्र अर्थः, वर्षाभागविद्यः अस्याः श्रुवः कर्षात्रस्यः । सणाः ८७१४ करा का माहेल बीवन । अहेर के करण हाली शास्त्र मान्द्र । 'उत्पादम व्यक्ताराम वृद्धम क्रांति क्यांतिक स् ॥ उत्पाद्धाः ांकर्षक प्राच्या पुनिष्ठाः सन्दर्भ विद्योगात शहर हेवालिए । जारक गारख दाख कर मध्य न राह्न । स्वीत भवती करि साहा भिन्न वस । सामुल वेसाण वर्ष वर करे, इस अरेक्ट ब्रेंडिंग रहा अरोब क्षेत्र है के हैं की साधार राज कर्ना व्यन् नकः व्यक्तानः । १८३० - ५० र भारत है। तम पान कि एकिन हर्सा नक्ता है। हर्ने ह 南京社會 實 智能 公司前令 异对流流 人名英 Plant of the ROMER OF STATE OF COMMISSION বিষয়েল বা জিলি আছেই । তাৰ আছেৰী চাল্লেই হুলটিৰ মন্ত্র প্রক্র স্থান চরলে । এইনিল পর্যত্ত বৃদ্ধ ৮ ১ লগালেনত মালিৰ প্ৰেচৰতৰ আনিন্দিং মানত ভত্তৰ 相似的 化对性性性电影 古代新人 医性原丛 有种质点 भित्रे विकास । विकासका स्थापी से बहुत सर स्था, । লোগ্য, লোলটোতে কলে হিলেছে। প্ৰাঞ্চ কমনী কুন वननी आरम्पा कष्ट है। वदा कह राज राज र कार्यामा सहिमीत्रम् कर् कार्याक्षम् । सन् १८६५ गर्को खरू शास्त्रवि अवन्त्र । उत्तरण या नद्यान्यम् नहेत

ाश मधी। मध्या कवि मंख्या भिन्न भगरतत प्रक्रिति। उत्तर्थ उत्करत राज्या स्ट्रमाथ वस्ता स्ट्रमाथ खार्याक नर्मा सम्बद्धितालया।

र देशवाधीत **मस्क**िल्ड के के कि

তিনারী সম্বাচন নহত্যী, কছাতিকা করে কারে,

নহতান গতির নিয়ন্ত্র। সুবেনী ধেনী বিনার, শক্তানি

ন লা পান, লাগ্রি দিল নিমান্ত নিম্বুলা-আবাহ ভাষ্

লা লগান লোগ্রি কালে কালি কিন্তুলা-আবাহ ভাষ্
লাল লগান কৈন্দ্র লা আবাহ প্রায় লাগ্রিকার পারামাণ
লাল লিকানি কালে লিকানি কালে লাগ্রিকার কালিকা পারে,
প্রায়ে লিকানি, মালে লিকান নালী, ধালিহে কালিকা,
লাগ্রিকানি মালের দক্ষম নালী, ধালিহে কালিকা,
লাগ্রিকানি মালের মালের প্রায়ে লাগ্রিকানি সাহিল্ন নালিকা
লাগ্রিকানি নালিকানিকার, নিবাহী কালিকা, নালিকার নালিকার
লিকের নালিকানিকার নালিকার নালিকার নালিকার
লাগ্রিকানিকার নালিকার
লাগ্রিকানিকার নালিকার
লাগ্রিকানিকার
লা

বৃদ্ধ সর্বাহ্ন হত্ত্বাক্ত প্রকাশ কর্ম হয়। কামতে ছেন।

क्षी । श्वाक्षित्य दिनाम् द्वा स्थान् स्थान् स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान्त स्थान स्था

্রাজন প্রতিষ্ঠান এক শেলার্জনিক ক্রিন্তার কর্মিল ক্রিন্তার করিছে । স্থান ১৯১১ স্থানিক ক্রেন্ডনিক বিশ্বাসন্ত

ভারতে দল্ভ তিন্তু প্রতিষ্ঠান করে সংক্রার করিছে বিজ্ঞানী জা জ্ঞানী

जियासना स्थानिता न्यान वर्षा । हिंदी हिंदी हिंदा महिद्दार है। जिया स्थान स्था

ছার, এই যেলো গলাধর, নয়নেও কি ছেরলা। কেন এড় কোষে ভর, লও চলন মনোহর, মুখে বলি ছরং, ষয়ন্ত্র সেবা করনা। যদি বল গলাধর, গলা পরেন শিলোপর, আয় কেরি ভারান্তর, গলা কইতা নলনা। তারে স্থনলো উএর, তিনি ভোনন গ্লাপর, এন্ডেমলন্সকোষর, ভারান্তর ভো হলোনা। পুনর যদি কছ বাদি, শাল ভূষা শূলপালি, শানে জটা অলে ফর্না, কই লেশ্ব ভূলনা। বলি ক্ষম অলপ্রের, মুখচনে পায়াধর, শলি ভূষা নিরস্তর, ভিন্ন কিনে, নলা। কুলালে চুচক ভাল, ক্ষমি সুধার শোলা পার, নলিকার ফ্রা ভাল, কালভেছে লো সক্ষম। নির্ম্থ বির্থ শলনা ক্রিভে কালো কুলে, শ্রেশালি বক্ষম্বলা, ব্যর্থ কো কালনা।

मार्चकभीत भाषका क्योताको सम्मनात मुख्छ।

গ্রা এই বাকাফত মাধ্য দুই স্থা লক্ষাতে কিন্তানিতি গৃতলিকার মন্য চলনা ধানার ক্রিছ ক্রিছ ক্রিছার প্রান্ত করি ক্রিছার ক্রিছার বিশ্ব করিছ ক্রিছার নিজে ক্রিছার ক্রি

ইছার পুক্তির আমি দির করিয়াছি গোরাজা কহিল কবে বিলয়ে কি ফল বয়দিনাকে হরায় নল। বথন দেন। বার্মিন্দার বাকে। পুতিবাকা পয়ার ছলে গুদান করিছে-কেন।

क्षामीह २ इ.स. ।

প্রার। যাত্রলিলে প্রথমারে কিছ নিখানের। क्ष क्रम सम् उरहे गर्छ।त श्रुवा ।। क्यांचाकरत गर्छ। शक्ति अहि भव्यान्। मादै श्रीपरस्य द्वार भूती तक्क চলো। সৰ মেত্ৰ গোলে প্ৰয়াছে দ্বাল । উৰে সেহি काराए भीक भाग भाग करने हैं। एवं एवं उन्होंने निवार मेरियानक स्वार्भिय है जिल्हा स्वार्थ । यह सुन्न स देशमध्येक के विविधित हैं है कहें के हैं। हैं से स्थान विविधित हैं প্ৰতিষ্ঠাৰ কুলি হৈ । ১৮ কেট্ৰাধান সেইবে ইনিস্টেড হ'লেইও 医甲磺基二苯磺酚 网络沙科 电流电流控制器 医电路电路 化二氯化 खोल पर देश एक देशे हैं कि इस्ति ए लिए इस्ति केन निर्देशन, र हर अवस्था प्रश्नीत नवारी स्थानित हरा र कर्म रुख्या विकास करते क्षेत्रक सक्ष स्थाप 抽筒间面提供的 医打破 电射线 经自动工程 网络马克 不断的 CHAIN MER WILL OF A THERM ARMS TO THE ME CRATAGE COLLARD A FREE SIZE THE ENGLAND 金融工 (管理等) 、 秦本 (1945) 新 27 (4) (4) (4) भारति भारति । १ वर्गस्य में अधिका संस्थिति । १ । প্রায় করিলে সভার তারিকিও মধ্যের তারিকার সংগ্র माकारत मर्ककमा नाष्ट्र काणा था व कर्न पत्रम

माना प्रमातिक गर्फी आंगरन ।

प्रमा । भारत भूगाना शुक्तत मध्यम् भराना अभयत सह

স্তথ্য হত হো, হা সভার দিখি। প্রভার চিকা।

किरम, शारे एउ छनि खना झगा। किन्नु आयुह्म साह, मात्रात जनरम् काय, साधी (छन अन्त) (वहोकत् ॥८५ वि कि रा दर्श होते. शिरुवाम विषम नाय, ध्रीम दि ্রিরেরে মুনার । একালে অ, তাবা, পার্যা, তিত্র কা**লে** স্থা बर्ध कर कर तात छन्। प्राप्त १३ । इंड विस्ता तथा १३। कांद्रिक विकास नक्षेत्र वन । अर्थन क्रिका श्रम । अर्थ क्रि भारतिकाल, स्थान स् was the commencial or often, for two, experiences, with a more than the the weather who are ारेष अच्छेत तर्को स्थल एक स्थल, कह स्टब्स् रहार में भारत के किएक के इति है। समाई जिल्ला है। पूर्व के SEE STORIGHT AND A STAGE A STORY IN LANGE A ्राम प्रमार । १५८० वर्षके १ ८ जिल्ला प्रवास प्रवास वर्षक वर्षा । March & Carl March & A. March & Commercial C राष्ट्रिक र १८ 🔑 १९७६ १७१५ ६०, ऋषु ४०१८ व रहेन्द्र । प्रभार বল্ডবারী হল বিংল্ড হলে সাল চাস্ট্রাইস্টেম্ফার্কার · · YEMP - [ALL Y B M) WEAR HOLD PORT : WIR BURK FREE সংখ্যালারের প্রিপ্রের সাহার্ত্র তারপা রূপমার প্রাক্তি लाहा कहार करोत. १ स्वटन १०४ व्योज करण ल्यांच सलक्ष बरम । १८८ (६) ६, छ जानि, जान जली सीवा नीन, प्रक्षित रहे प्रकृति ध्रांतिम । ७० ड जीवन, वसीह देवस खहर्षा मुंबर, छ। इस प्राचात खरा । उसाम मा १८० । १८७ 期1時, 15136. 金寶新155 智用於生之一日175 (A) 176-प्रीयम्प । आरक्ट दर स्वापका मुद्री, वार्गक्ष्म, साधित वार्गन भिक्ति कहा बिहरकूद सभीय । खरक टेमां द्रमा कटलेंग्स, र हो (१ मी मेथ व्यवस्थ, उथा गरा विष्क एक न अक अर्थ ।

वन्ती, मम्मानिका नीका नथी, खारक्षे आनात मूके भना-मन । এতে शच किन तिरम, जीवन वार्थ क्रीवरम, छारह শ্য। বাহি চরি লন। একে দাশ মেল লামে, মৃগাক্ত কল-স্কে ভালে, ভাছে আবার রাছ পাড়। ভয় ॥ **একেত কান্ত্র** इन्हें, याँचे मुना बकांकिनी, एएक बावात श्रद्धाटक गलत । अस्क 3 भूगीयल जना, मृष्टि शांकि एक खना- जारक আর কানা মেঘে ভর।: একে চিরস্থায়ি রোগ্য শরীরে ছাতে ভেলে, ভাগে হয় গাভিক প্রভাব। একেভ নুঞ্জ বি । জিলে, প্রত্যালালিত মহন ভাতে পুনাপ্রালমা **সামত**চ कार जन बिहा नृह, छाट्य निनि एममर, क्षेत्र स्वन रन भावा अ'ल । त्रात्य इद्धांत्र म्या, मायदेश्व व्याग्रायाः বলিকারে শারে মণ্ডিয়াও । কে আর কে ব্রোঘা বিষে, নিস্তার অসিনা গনে, আনাধর মন অপরায় । ানপিনী e প্রাংস্তাতি, যতি বিভূমানে জ্রীকি, ভাবে মন যুগাল equiv. act .. tid to (MID, county in Butt, in-भारत ए नाइ कार्ना एकि एक एक भारत जन्मका बक्का গাসে, ৰাজে আনু গোলু^হয়াছে _{লোক}ত এই কল[ি] বহিচ জ भूत्यारम् प्राप्त क्षांन्यः खारम् इयः उत्यत्मानः । यानीद् भारित की व असे, तम भड़ेन डामा त्यांचे त्या प्रतिहासी भर्ग । मृत्यः । भ नाहि हुन, अकुर नाड राज कुना, कुना-শুলাসর্কুকে ছাইল । অধিনীয়ে অনুস্ক ছয়ে সাস্ত मार क्ल, नडक म्लामां अविभूत । अमे। ताती इप ्याराः, अद्भिज्ञान, क्दश्च क्यान, खरना इस् नवनावी सोद्याः রণন ব্যক্তের হাণে, লোকে করে উপছাল, নাবে পুর ८१ था हो ल लाइ । त्वर राम दोना घुणो, वि मूच्य हरे লি পুৰি কেহু বলে চলামী চলালা ৷ কেছ বলে **ৰাই**ই,

कि बालांके युर्छ छाहे, कान मुध्यक्राल कालि किलि । খাতা পিতা জ্বাজ আদি, সকলে ২২ বিবাদী, কেছ দুৰ मा द्वारक्षण किन्द्र । ब्रह्मानी बाधन कुल, दक्श, नदम मृहः, मुस्, त्क्षत्र उत्था हाल त्याच भीत्व ।। खोदमात्कः, अक्ष कि, ट्रिय माहि बाट्य लोटि, मझ कि केमर कामाना श्रक दिलाको दमाहे साम, वृक्ष वया अस्तिक्या व वासिक्य मा प्रक मोर्टिश ।। प्रांक्टरिश क्रांसि श्रुक, श्राक्तिश्वर्ट हरू. श्विष्ति सत्तर्व क्षक ह्या ८ मधे क्षण याबीकाल, व्यानकार्य शक् कारण, किस्तरण मधर्मात् घम । स्वदे मणः क्रमस्टीः কল পান বাতি মতি, গতি বিনা কি গভি ভাগের। ১৯ অপার জলমিধি, গার ক্যে শুক্রিখি, এমস্থানে করুছে निसाद । अहे कल कहि हान, श्रीटशर एए।वालास, दश्च करतल कार्नि एक मचा । त' स दर्शनी खंड क्यें, स्त महिल उल्लिश्, इत्य एक्स आहा बल दक्षित द्रमा स्टा ८ मेरिक खेर. महील के महितक ने १ प्रश्लिक व्यक्त द्वालिक. अश्व मा भाव भावा, अध्यक्षा श्राप्त भावा, ज भाव कि ম্বাসার প্রাণে শয় ৷ কি ভাবে তারিছ হয়ে, মাধ্যম হাত रह काव, अर। कर कि घरन केव्छ । जामा करण खराणि তে, কোন বাধা নাহি ভাতে, মহ লখী প্লংক সভা এ দালী बारका बाक मुखा, कविरतन खिति क्रिं। घरतर अले व्यक्तिया । १ क्षिमा ना थि क्षान, ध्यक्त न कहि क्षार्थ, आदि बदर कारा केविक रूपा श्रीक्ष स्वार्थ शेरा, मरबार्फ क्षकांच नथा, चक रेश्रक चक्र काना राहा। भाभ विश्व केलेटकात, कफेटक वर्णिक करत, एऋट्य एक्टर रहिन्न लाइ । खबर व बार्य जानम, उत्तर करना के सन, चल किविदाद भारत भागा भागा छ। त्यमरा लाख. त्यम

क्ष कोटल खान, काटल कान क्यकारण ।। अक्र कक्क्टा ल्ला, बद्रावित वर्षा इन. इस्कट्ड हमता एके करत । आहे इधारतीय कर, इन्धारी एपिक्स, छेन्छ बाद आसा क्षा केरत । अबि प्राय्क्त प्रायः क्षा प्रायः क्षियाः विकाः, व इनवर्की पानी अकि क्या के दृश्य अद्भा अदि तथी, क्राइ बलिएक द्रावा कि, अनरे वाद समून्त्र । केन्द्राक्ततिकाव ही, वानद्र व्यद्भम कृति, व्यानसम्बद्धति सम्बद्धाः । वनहरू का हिन्न भारत, वर्तिस्मन शिरत्रों, मधक्य ना स्रह्मनाकार्या कात जायं शर्य। हैन का शिवदह कहे थन, शर्म र मुझं दक्त লাতে চেনি এই ব্রিকান্যানা করিলেন প্রাণ, অস্তি জাঁৱে ফেলিডা, বিপাকে ৮ পঞ্চৰৰ পাত্ৰ লাজ, আলিফা-एक् इम्पराञ्च, दुवि भी:ध्यं विषय मार्थ मार्थ। इनके लाना शुक्ष पत्न, चेशहके बतातरम् अक्टाहि शहरत विवास ॥ पाइन १०%, नवादा किलामा दति, पादिम् नदेशा रिराज । । नप्रश्रीत आरमाम, जुडाव तकक शारम, बाज भाग, तर्र निविध्याः । •

ন্দ্ৰ তিথাৰ এছাৰ বেশা দানীয় প্ৰমুখাই বাজবান লাব শে এত অংশুৰ সমাগত জাভান্তর ন্ননেই থালাংশা নিব লোবে মানিল প্রয়ার এমছা হা আলেট্ট শাকি-হল সভাৰ হথা থাকায় পুরনের পুড়াজিশ যু জি বিক্তি লোটিছা ভিলালালের জবস্তারিত ক্রম বহারাজ জাম শাব মানুডি পুলাল দাসীব পুড়াপুলালি শাদ্যন করি-লাল, মে আলাক তার্ক পান্যান্ত্রন সংগ্রহণ হিলাল ঘটে হিলালে হাব্রকীয় জাভনব বেবিনের কল্যানের লোগ ভাবে র কোলার। ক্রমে পঞ্চ শাকেই পঞ্চার্লি

পুৰুষ্ম হাইয়াতে, এচজতে অভিনাৰি লে তেমিৰ ঠাকুত্ব पृत्य एकन दक्षमासीर्थनं अध्यक्षः व्यवक स्वत्रक्ष महत्र संह्य ब्दिइए १८७ वृद्धि प्रस्कृत रह स्थानकान अहे सहसूर्छ হৈতী হর্মা চরি চার্থা চই। অবঃপর এই সমাক্রাকা भक्तिम आश्व भगरम सभरमगाह मित्रवास अञ्चादासम्ब ন্ত্ৰণাত্ৰ ৰাখন কৰিলেন, ভাগাল দুখিতা আভও বেশিল্প ক্লান্ত্ৰিকাৰ, **ৰা**জ্যাৰ্শ ছিলাৰ লাকান্ত্ৰালা স্বালান্ত্ৰিত ইচলন ুছ, এন্লাপিক আমেরি পর্ননীয়ের্থ আন্দিরতে । কার্থ क्षेत्र शिव्र क्रिक्सिन अधिक स्वर्ध कराई क्षिक्रम । १४ स्थान পাতি শ্রা নগজ সাধ্ বুলার বুলির পান্তার বারিবলৈ -पत्र प्रकार में भावखार पात्रपा। विश्व कर्षात्र 医腹膜炎 医胸丛性畸胎 议 计独立 网络维罗州山麓 ি, ১, জ ১) হৃত্য দে আ ইয়ানুধ ৰাণাপালেয়ে নিৰ্ভৰীপ সংস্কৃত্ (1911年) 中央 文文 、 15年至1年 1677 、 1 156 中華 製作 中心動力 ार । यो प्रताप प्राप्त विश्वासाम् याच्या बन्द श्रीखाळ प्राप्ति THE REPORT OF A STATE OF THE BUILDING SAFE ुनाया भागाभिक्षा १४० अवद काच (भक्क कार्रामा) ्किने सुन १८७५ । १८५४ । १८५४ व अस्त व्यवस्थिति दसमा ভ্ৰমানত প্ৰত্যাহ জিল্প স্থানিস্কুৰ মধা খেছে िद्वारत प्रकृति । अंश समा स्थाना राज छ ख्रिस सम्ब संबंधित अब ए ए करिया नाज ए खता प्राथन खाला आहे. पारण्या प्रदेशक अंगणास्य कर्निकार क्षेत्रका र स्वदर িএই প্রতিমুখ্যে এফ ছিল্ল আন্তের কলেলৈ স্তরে মার , मणभा विकासिताय: दुनि लाहे का छिलास्त पाना अधि क्षां हर प्रत क निर्मात कि दिशाना। देन स्थान अधिक १० छ। तथा वका । एवं न दाविक मा क्षा एक अस्म की

केला सैंज व्यक्ति ह हेलयुक्त । करे दश विकास स्वा ्कृत भएमाभारक मरमाजिमित्वम कहात **छावित्मन व्य** वकाशि पृष्ठे तलाध्काह कविष्टा ज्यागाव मुख्येषु श्रदमंत्र सम्बंदछन् करत्र एथन कि छेलारत मृलाज्ञ लाहेद । अवकृत धिकामिए। धरेया साविद्यान। (स त्रमधना शीकार हाछीए बाधाएउ महल कछा एइत। ५३ तथ नामा शिष्ठ हैरहर। यह रहेश थान भरन खाननार्यंत्र शानाः বয় করিতে থাকিলেন, অত্য ছথা বেশি সাপুপুত্র সহচারী, গুদ সহকারে রমবতীর মনিরে ব্রিকর্ম অর্থাৎ প্রবেশ ंहेत्समः भव्य व्यवस्थे एरक्षमार इक्षामम एरजानम क्रवं विभाव्य करें। या मुर्गाटन दक्त क्रिक व अर्थिए क इंट्रकान्स्टर कणे कान् क मञ्जल कूलक्रणेटक निश्व किर्दाहर्य कि अंक्षेष्ठ बहेशा ममुनीरत त्यीनादलक्ष्यः शास्त्र असम्ब পুনববি গভুৱান মইচলন। নুপ **ডন্**যার এবস্থি বিলয়া कारा एकियो प्राप्त मार्याक छत्त्रात्थात्र कविद्याम । स्थ টানুত্র স্কামতা মুলাশ্রীর বিবাহারতি টাপ্রজীর সহি का वर्धा क ममर्गम भएगत अधिक नाम्ख्या कि प्राक्ष्यक्रीय धनवक्षान्तक किमामानुत्राभी वाकि करवत कून धायुक्त बावन नाषावर भव भन मृत्रकास्त्र श्रेशाह, उच्छना अन्तरकी जलका वृदक बदबोरन स्थीन वाजि अनारन अध्यु বইয়াছেন এই কল চিন্তাশ্রিকা দার্সা গণে দৌন ব্রহত র্কিলেন। অপিচ **ভণ্ড রেশা সাধুসুত রসবভীর স্থলক্ষ** . ५० अमे जिल्लास है जान आहे हेरभून दृष्टि कहेंग इवाना सम्क कि डेकि किशामहा । छाहा विभाषी अप निरम निवस क्रेप्ट

भाष् पुट्यः विसम्।

विश्वकी। दक्षमर निष्युणि, तिश्र जुंबा उत्पाद की, কৰ্মজন প্ৰাণ ল্পনে , নিংঘ্ৰণ ভব্ন কলে, জন্ত k টেল কুরি তেকি, রকন্টিলকা ১৯কলে ৪ - শব্দেরের্চিডি ী হল, ব্যান্তা প্রভাৱি বালে, ব্রেজ প্রত্যানিত শীলাগ্ৰ - সম্ভিন্ন সংগ্ৰহণ সম্ভাগ্ৰহণ সভি, ১০ত भरकार करेंग एउँ विकास क्रिका प्रेरिक्स असी Piwfor - sterils, wat city by stellar cardle (🛥 ্পা, ৮৬ ১০ - ভুকি বা পোৱা ব্যক্তি বিভিন্ন বিভাগ ত ১৯৯৮ চি । জুকীন হতাৰংগ সভু, **মহ্ম**চ ভাই জেলা, ्नाकर र १६कार तथान हो। साथि किया १४वल कियाला । कार्य रि इंडिंग भटवर स्वित न वित्तर के लिए के हैं। 🍒 महा हिल्लामा अध्यद्धाः । राज्या कृष्ण कृष्ण स्थान ियोक अन्तर के अध्यक्ष विश्व १५० हरू देशका पुरस्त सर्वत THE HOLD BY AND THE PARTY OF THE PARTY OF THE LANGUAGE CHENTO CONTRACTOR SELECTIONS THE THE METERS WATER HELD BY A HELD THE STATE OF THE with the control of the state of the state of the plant of the control াল্লা প্ৰত্যাল লোক বুল্কা বুল্লা কৰা মহস্প কৰা আৰু . चित्र के प्रभाव के शिक्ष के बिहुत है, जिस्से के देखें हैं। जिस्से के अपने "我们是我们的"我们","我们"的"我们","我们"的"我们"的"我们"。 医环节 扁色 医二代尿 医二次 备货收益增期待 化成合剂 经一张的 化水管 经营 医二叉 化基基 医海绵病 经经

त्रदि मम्भरः, विस्त भुव सन्दित छेन्द्यः। कति मानः, রজালাত, ডিফিরে কর নিপাত, বিদাহ আলে। এয়া क्रांस्ट्रिंग यहि थेटि चिच्य चिक्रांन, हर्द्राट हाहि छात् राधिकाव क्षत्रक रिताम। खामा विष्यु कर। करन, नार्य ८६ (त दमक दक्षात्म, दमक द्वारम दार्थक टबर वक 🕺 চল্ল লদৰ এখি, ৰিয়বে না হয় বাষ, ভাষ্ঠ বিবিহুং १७७ प्रदेश और भारता एकाउ, प्रस्ति ११/१८ पर्ट, ৮০ মণ্ড কর নিজ করে । আরমা রাজিত প্রতি, ধার্ল তেও নারিং, পাঞ্চ শারে কা**রিও লগায়।** কিন্দে লোলে প্রাঞ্চ ্তি, সর্প্রোণ্নকে ধলি, নিরাস্ত্র নেও গে আস্চা, चीन मेरी बड़ी वाका, कामरत कहान उन्हें कुछ द्वार েল একি ভারত থানে ধরি বতাহক্রে, করে গাচে म्हाराह, राज्य लाइस राज्य कालि खाहा। हाह राज्य ভুট ১০. মাটিছবায় এটা হব, ভাবি তেওঁ এক ভাবিৰ ^ব ্বা । একে জ্ঞান্ত মাল, স্ট্ৰাণ কছত লোল হাত আনি-্মাধ আনু গাল লা আমা≉ৰ ডাৰি ভাল, জিলি চাৰিকে करा कार्यक, या प्रतिकृत जिल्लाक्ष्मिको आहेता, एक पार भारत কাৰ। ে ্ল, আৰু হাল একে কৰণ লগত আ ি, সৰ্বতাল স্ৰাস্থাতি, কৰিছে হৈ সাধাৰ কে ন ২০৮ কি ই কিছেখন। একাৰে কৈ হৰ ৭০ছ, হাংকা 🖣 ত্তাল লক্ষ অঞ্জাত বতুলিতে শিল্পা হাসত্ কি ৮০/-, এইল্মি খাড় **বতী**, এতমে মরতে ফাই মারেও अभिवाद माद्रि करा, द्या भित्रम श्राष्ट्र हार दसके मिनी প্রে। স্থারি। চতুর্থ কি একাদশ, কিলা মান জালাদশ ে প্রাথে সংখ্যান বিধি । উদ্ভিত লা দিলে ভাগুরুল

তেনে, অবিধি করিছে। অধিবাদ। দুখনবর্তিন গাুছা ुर्के इत्यासन का **गांगे, मृत्य श**िक अन्य का जिल्ला भाग ता सा १०० বিসরাজ- এই ছেতৃপায়ে লাল, করিয়াছি মৌল্যেল্ড নামি কাঁ: অভিনাল, করি ধল অন্থান, ধ্রাক বিভিন্ ্বিচুচ্ন চ কোথ: আজু গণির ফরে, রাভি দাবে আচি <u> প্রেল ভাগি কাম করিব শীক্তণ : এনে কেরি ব্রাণ্য বর্গী</u> গালে হেই হ'লেবা কৃতি, একে আৰু হিনা হেছে। ১ন ▶ार हदार १९६६ तक्ष्य , अर्थ: **आ**हा चाट निरम् । ऋशि व ্রালান্ত্র নেটার। কিন্তু ৬০৯ জোকে ফলে, ১৭১১০ : भागवा करणा विश्वस्तर कार्या भागति होते । उत्तर १०० प्रयोग करहे, किर्दिता: क्षान्य स्थाप देश, दिस्ता का का कि व्यक्त । करत গুলনা কৰিবৰ ভাতৰ আনে, জাতবলৈ দিন স্থান, ১০ द्वार्ति चत्रभिनो भरत्र।। अने भरतु अहे ४४, अवस्या अक्रमेश्वर, दिश्वर ने स्वर के दिन के किए की प्राप्त के किए की प्राप्त के किए की प्राप्त की किए की प्राप्त की क arts miles winter, a sa Colta ecalica e la l · 1 有价度不要发现,这种效量不少。 1 1分 不识,可以 对目 · · · दमदल (मृति। मुण्य राष्ट्रण कड़े, रेक्ट कि ।त प्रं. ·西特研门 人生人 医人 有特别 (1) 10 中人 人名西西克尔 ुलेश सारक राज्यतः, १७०० खोटाब विक्रम विकेशन, १००५ ুণ গলের শলের, সংক্ষেত্র বারেই, বাচন পঞ্জের অংশ হার त्रधर ना धार्याता । एक्किक्ट प्रतास ना और देवान क्षिप्त আসন ব্যয়। আলাচুর পতি পতি, প্রকাশিত। এয दा.रि. मधा प्राप्त कत अञ्चल्या । द्वाचार नार्या । भारत भारत विश्व माणि हेनश्चर मना भारत विजन । ये प्रतिदेशक भागा, भाव अति गांध करें। प्राथिति के राष्ट्रक ५ क्षणि । । चाहिका क्रिकेट चटका विकास अपनि ।

हरक, शक्ष्य शाहर विस्तापिती। त्य (अप द्रविन सर्गः) কে জানিতে প্রয় কানে, হালে জিয়ে পতি সঞ্জাতিনা 🕍 এই কল ধানু গুল্ল, প্রকাশে ছলের সূত্র, স্থানি সভী যোড় করে কর। দারা পরিমূহ ছলে, আর গৃহ নাছি চলে, ডাই যে কোনার মহাশয়।। বিজ্ঞাদিব এই বাণী अने हरू छन्यनि, महना कितिस्मिरकाम कर्या। महर्रेपत् भार मानु. भारूम व्यालाम व्याला; वह गया महमात थमा। n ज अब महमारा, गर्का कर्या खुशभारा, क्वर विश्वायिन प्रम कि जात कांश्व विधि, जूबिएका विष्णात मिधि, भविष्णाक क्षात दिहशाना। उव कुला क्षण वान, दर्भणाय दक ब्याइह क्रोप्त, तलर १ दिश्**दम्स**ा दि**के चाह यलि**द**्कार्सि,** ८७% भाद्र जुलसा जुमि, शक्नांनीरत शक्नांति कर्मसा। उनक কৰি কাৰ্লাদান, বেশ্যা হল্পে পুৰা নাশ, হয়ে ছিল বাছ हिश कर 🔻 ता कना हुन हुनेमा, 🕶 य इसमीर अपन কুলা মান নাল কামে।। প**ভিতের যে লক্ষণ, সুলক্ষণ বিজ-**শ্বন্ধ, দেখণে। বোনাতে পুরালে। ভূনি অভিন্তির ধীর-छत कृता गर्थ नीत्र, पैश्कु दमदा श्राष्ट्रित वो डाटम ॥ श्राप्ति নীরে চত্র থা দেন যদি চত্যুখা, তবে রাই তব হব • छ।। एन वृष्कर मृत्यं, क शांशिमी तकाम पृत्य वर्गः ক্তরিছে ক্যাকর।। কেপারে বলিতে কাল, ভোমাং ঞাশঃ অন্য গুলিবাৰ মধ্যো গ্ৰা**নিছে।** এত শত নাৰ্যাগ্ৰেত ত্ব । তে পতি দানে, অনাবৃত হয় ইচ্ছানিল ।। দেখেছে ि नवान थे. कृषि लात इत्वलि, दम्हाल शुरक्राह करा-পाछ । इत १८१४) नक्ष व्यक्ति, अक्षत कासक शारी खारे वान प्राधि जानावको। विदंश व्यविध मध মম মনে খানিং দেখা, নাখ হে অদ: কি সপভাত। পদ

গুলাজিত কত, ছিল পুণা শত শত, সেই/জনী যিলন দেবাত !৷ এনে অভাবের ভাব, বামনের লক্ত পাত, जी उत्कार पूर्व हे घरने । कि मनश मन्द्रिक, खाल मा अपन यानम, निवानम श्रम छान तम।। चास्ताम तालिवाव ন্তান, আরুনা থাকিত প্রাণ, কেনা হে বিধি দিলে দাশা। নাতি হৈত ঋতু যদি, তামা প্রতি প্রতি বাদী, एटव हैच्छ भागांश माहांशा।। स्विनाम् बरे वाकः आतु नांकि रम्हादत बाका, खस ग्रह्म अदि मस्तरे। अगरम ायाम, चांबी, कथात्र खुलाएउ माति, बीग्र वांकी वांबिद । इस्टन । उत्तर दिद्वय श्रीत, एक्टन स्पन कीत्रगाँद, ালার নালিতে যায় তই। কে মরে এ খর গালে, নিটি 131 शास्त्रता कि शास्त्रहरू ध्वत शांत महे।। किंद करे ्र तल, तमनी कछि नदल, हुटलट यमः थि याप हर्छ। १० ल्डा श्राहर्गालम, शस्टिका अभिक सम, १५% , মুগামন মন নতাবোল অভারে কোন মতে, পারি নামি मनाइर्ड. ७३७ ६ पृतित खाखिलास । मह्म प्रतिमुग यात्र, আসালাত হৈল লার, আশার মইল উদ্বিষ্ধা লাজেতেও ाटक १८%, भ्यारहा प्रकाश मिक्क क्विश धार्वि किया শাবি। ধরা কটিকে পাওন, মান্ত্র কবিংগ কালন, প্রেটি ন্তি কেন্দ্ৰ ভারি ল

গ্রার । নাপ্তলে প্রান্থী পুরার ভোষারে।
কৈ নি গালের সহা রতী দান করে । নিতাশ ক্তান্থ
বিল দি গালের সহা রতী দান করে । নিতাশ ক্তান্থ
বিল দুর্ছ নদ্য ন্তলুসান আশে প্রাণ রছে ভিজনা
বিলি দুর্ভি লামা প্রতি যে সমুন্তি। প্রেকাশ গাহন
ভাল কলো রস্বতী। অত্তরে অত্তর নুলে তল ভাল
ভাল। ভার রাখা ভার কোবা শিশেত কপ্রান্থ

স্থা রমণীর গতি মতি পাঁড।িপতি বাফ। হাজান কি ভাছার শক্তি । প্রি আনাধিকা সভী পতি পরায়নী। পতি সুৰৌ সুৰী পতি দুঃৰেতে দুঃৰিনী ৷৷ পতি ইন্ছায় ইচ্ছাৰতী পতি আশে আশা। পতি বানে সভার বা কি आह् छत्रमा । अटअव विस्तामिनी वृत्याह अथन ! আছে বাঝ কেছ তব মনোগত ধন।। ভারে বুরি ইপি আছ ধনপ্রাণ মন। নছে কেন আমা প্রতি এত বিভয়ন 🗃 हिहि थान कांत थान कांद्र मान मिटन। या स्थापात धनुशक धात कि क तेटल ॥ अहे कथा अप भाग तमवर्धी करा । शामी जनुत्र हा धारि दक्षन भेटा नहा। माना दक्ष আন ভাই কর নানা ছলা। অবলা গরলা আমি ভাঙে কুলবালা।। শঠতা ব্ফিতে নারি অল বুদ্ধি নারী। পতি ভিগ্তান জনে নৈতে নাই ছেরি। পতি মুম গানু জ্ঞান পতি কুলমান। পতি পাদ পত্নে আমি গঁপিয়া ह প্রাণ। পতি পরায়ণী হই পতিব্রতে মতি। তাই লোকে <- प्राद्ध পरिद्धा मठी ॥ अहे राक छ।। नाशू श्व-রপি কয়। গলে কুলটোর ভাব বোঝা ভার ২য়।। পাত হতাকাতা চ্যি পভিত্রতা কিলে। মুখেতে অমৃত তব্ कांप पूर्व दिएम ।। बल्लायक करन मन कदहरू खान । 🍕 कम कृष्टीमा जान किया खारामान ।।

त्रमत्छ। त माभाइमा।

গদা। নাগু সুতের প্রভারণা প্রস্তাব শুবরান্তে জুপাল ল ওনরা ভাবিজ্ঞান যে এই ছলগুছার তমুল চল তরুটি লন্দুল লাগ্যত বিনাশ না করাতে উহার কল কৌশলে আমার কুশল লভা সকল নিকল ছইতেছে। যেছেভূক কামি বিশেষ বাপে এই প্রভারতের প্রভারণা অনুক इंड्रेजाम किन्नु कहें पक्षक इंडाई काल्मन किन्नु निवाल निवाल काला किन्नु काला किन्नु काला किन्नु काला किन्नु काला किन्नु काला काला किन्नु काला किन्नु

র্মবর্ভার উভর।

जिल्ली । करह मधी इमवर्ध, खनरह यूदे । शिर्, कपूरकत वाथ। वह जुमि । इकार्य) कदिए । मक्क, कद एव पृथ्विति । नादी तर्थ कि द्वायात आभि । तर्प्यात वह इंदि, वर्षात अन्य आभि । तर्प्यात वह इंदि, वर्षात अन्य अपि । तर्प्यात वह अपि । वर्षा धर्म, अहे कि शिष्त अर्थ क्ष्य प्रभाव विद्या अर्थ वर्षा व्याप । त्र हे करत की व्याप । त्र विद्या अर्थ । त्र विद्या अर्थ । त्र विद्या अर्थ । त्र व्याप । त्र विद्या वर्षा । त्र विद्या वर्षा । त्र विद्या वर्षा । त्र वर्षा वर्षा । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा । वर्षा व

র্শবন্ধর বাকে। শাধু সূত্তর আশ্চর্য) আন ভাটিয়া ।

গদা।। ভগু বেশা এই কভিপয় প্রশ্নের সদ্ধ প্রাপ্ত নাত্রেই আতান্তিক চাঞ্চলা দনা ছইয়া ভাগিলেন থে রসবলী যদ্ধপ প্রত্যুত্তর প্রদান করিডেন্ডে ইহাতে জনে-ক সন্দিন্তই উপস্থিত ছইশ বুলি হিতে বিপরীতই ঘটিল। কি জানি বুঝি আমার শঠতা রন্তু রসবতার শঠতা ৮টি

कार्याच प्रशासका

প্রস্তর পরীক্ষা দার। সমাক্ শইত। রস্বতীর গোচর ঘটগাছে নছেও আমা প্রকি রস্বতী এতাদৃশ পূত্যন্তর পুড়োর করিত না যাত্তীক ইছ। বিশেষ কপে আমাহ জান। আবশ্যত এববিধ ভাবনা প্রযুক্ত সাধুপুত ভূপান ব্লার প্রতি পুনঃ কহিছেছে।

উভয়ের উত্তর প্রভাৱে ।।

মান প্তের পুশু ও রশবভীর উত্তর।

পু। মনঃগত পুর কেবাছে ওব।

छ। (सथन्) ভातिएव आधि कि क्द्।।

পু। আপুনি, জানিলে কে কছে,কারে।

উ! জেনে না জানিলে কে পারে ভারে :)

न्। अध्य कि छामादा छाजुने कृति।

উ। কেম্পে জানিব অবলা নারী।।

थू। अनुखाद इति वृत्य मध्ना।...

के। व्याष्ट्रिताञ्च यापि जानिमा। ...

পু।, আমি কি জানি জ্যোতিষ্চয়।

টি। তানা হৈলে । হড়। গমন হয়।।

পু: জেনভিদ বানে কিছয় না আদা;

টি। পাতি বীনৈ আর বার ভরসা॥

পু। আমি কি ভোমার স্বপতি নয়।

छ । गम तस्त्रवंशा काव कि इस ॥

পু। গুড়ু হৈল দলে পৃতি কি পুর।

ভূ ে প্ৰেল বেছে জানা সে তদন্তর ন্

नः। द्वमद्य कानित्स छाई कानित्छ।

इ। छोर्थशाल कथा श्रम क्वारंक।।

ं देव दकदल एटव इनाम छव।

गुका व जुना । जुन

Ē.	ए। म। देक दल कुल किएम हा सिन !।
भू ।	स्टर्नहें कम आह्म पिटन आया।
Ť.	কি আশার আশে হৈল বিশাদ !৷
P: 1	লামী ভাবে ভূনি কৰিলে কথা 🕝
₹ 1	सरक्षाः, छोत्र वक्षमः, बाँधाः ।
7 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1	জ্বেড বঞ্জন জান কাপদী।
31	दम दमारव काराद्धिमा कव दमानी।।
	যাছক ভূমিলে। চভুরা বট
N 1	ভূমি 🏟 চাত্রী ভাষনা শ্রু ।।
67 1	জ।নিলে কি ওব থাকিও কুল।
Ī	कुल हे। वित्न 🖙 ।क ছाए हु कुल ॥
4:	বলাংকারে যদি করি শূ দার ।
311	ৰপতি পারেন্মা ভূমি কি ছার ।।
	মনঃ বার্ <mark>য ন। মানে বার্ণ ।</mark>
5 !	পুরুষস্থ কিবা বলে হরণ।।
57 (लाबा इस्ल किरम शहिब दुमः
	ে (৬) রশ বিনে হয় কিশ্রণ :
. 4.	श्रात अथन धर्मी कार्यर्।
£.	এক হ'তে কছু কি তালি গালে।।
e	দুল হাতে নৃহে বাজাও গ্নী ৷
ΤŜ	किट्ड (चक्टी स्म क्ष्मभिन्।
551	
\$ 1	
24 1	
3	পাৰ ভেদে ভাষ্ট গ্ৰহে ভাই।।
5% ,	আমিত মুপাতি ব্যটকো গ্ৰা

के। कि हिन्न दाहात उसके सनित ण । चात्रक चेरब्रक्टि चोटचे हिंगान । डि. श्रकाची मांश्रदन टक **लेट्ड मान**ी पूर दशक्या कहितने खनोशा नेम्रा 🐇 छ। अन्या कथान कि जानामग्रा প्। याहक जुनितिना नागामा। नग्न 🔧 छ। छेलि किनाबाना एक तमेश्रत । পু। কেন প্রনা আর দিতিত লাজ। উ। দরিতার এতলা কি রসরাজ। ला जानि य प्रतिज क्लाम् लान। के। वाद्यांत हात शिक्षक खानी। भूत के अब*्रे दिएं उर्देश* थे। कि छ। अञ्ज्ञिकाशका कहिएते थाकि ।। ভার আজা হিনে হবে না পাণ : श्वधम श्रद्ध (कक्द्रमान ।। পু ে পর গলে ধনী তুমি কি তিনি : ডিনি ওনপতি আনি যক্ষিণ **3** : भाः एरव कि दिल्ले समाजिलायो है। इन्दर्भ कि जानना महित्वत यांना श् । दल दमिश उदय उनि मुल्दोः असर अस्ट किर्देशम कति। दमत्छीतं कि कि।

८ मार्क । हेथा इ विकि मीड एक माउ की नार्य मध्य प्रकार करा विश्व का नार्य के नार्य के प्रकार करा । वाला दिवस्या मक्षानार कुल जी नार्य कुक उत्रव ।। व्यक्ष ।) मुसिए इते प्रदेश काला शृब नाष्टि कर्य । मध्य

जिस भूमाशिक्ष

আশা মনে (নিলাই রং রয়।। জুল্য তার বালিকার বৈধ-ক্লু দশার। আপনি উঠিয়া স্তুন আপনি মিলায়।

ন্তের এই শশা দ্বিজেন স্থীতি। কেন্দ্র প্রাই আশা কামি লাগুনিতী। সাপ্প্রদর উল্লি।

व्यक्ति द्वांत । विनिया, शंध करा, व्यक्ति विद्याः व्यक्ति । महिराद्वां । महिराद्वां । प्रियाः व्यक्ति । प्रियाः व्यक्ति । प्रियः । प

ভূপৰ ভনংবি ও নংখু ভনংখুর **উ**ত্তর পুঞ্চেত্র ও

াত প্রার । মন বিচেনে কি সুপ্রতি বিলে দিল তি হটল বিনুধান ভাল দীক্ষা করা দান্য । এই কিল বিলা তার বিচক্ষণ, জানা। তব এক পুরি শলার । নাল পাছা পারায়েছে বিলাগতে নামা। তুমি ইংগ্ নুহা, তিনা নকে কেলাকেন উদ্ভি করে আমাপুরতি । একি বল মান্ত্রই। মকা পুরি উপপাতি হয় কি মন্ত্রণ। হয় কো আন্ধাহিতা, । প্রদারে কর আশা একি বিপরীক।। একি পুরুষের কর্মা। পারিরে নালিতে ইজ্যা লগানার না । পারের দেখা বিদ্যাদান্য। পর জ্ঞা করিবে জনানী

नके कार्निया भारत धरन दलाके वटर है एके बहर सक भूगि धार्यमातं मंछ । स्मार् हा मुक्तर । तमहेखः भूर र्योग अक खरन मके।। उत्व मिश्रूत ममनरे। बरेल सम ायूची कति निरवस्य ।। शीत आर्क्स श्राविश करा छै भाष्ट्र शत वल विद्यामिनी नि दंगकि शतमात करतः वनांता नवार्षे लाह दनर्थ भरन करता। तलन हाथ ए **८थमर** । श्र स्त्री भटन विद्याद्य द' देक कटन निरुष्ट्र । मार्ग ৰ্মৰ অন্ৰাধাং। অনুমতি হয় হাদি নিজ ভাষ্ঠ যাতি রসমর্বা রস ভবেং বিকৃপা জটাকেতে ছের পার্যক্ত 😁 मंद्रती। दमच दिवदर भी क्रिक्श देवन कार्य केंद्र क्षा किरंड विभवे छ। उव बिजांव (कमनरः) छन्न । शांकिर ত্তন প্ৰায়ী বদৰ্ম। ভিলে পাইতেক্তি সাজ্ধী। এপু থাকিতে খেনপাবুর্টের েজা॥ খেব। শইন আঁশুরং उत्दर्ध मितामुल कहा हि छि न। इस ।। दिने टाईगह पर वाहेर । ब्रक्ताक एक का हाल छ। व ब्राह्म । स्थित পাইৰ নিম্বিত: বাজাত দুখিত: হাল এক অধিনার अष्टे थे छ। वृत्ते खिनेश ! विनश तहार अति क्षेत्र तिरम कि ना ॥ भग खरिहात नाहिक विकास को एक '० a भाग घटते । १८ए बाजात सन्मिनोर । खिट पात करेंद्र बट इटक कुनगति। होता दिकांत सकामार । मध्येतत पात নট শিক্টেরে পালন। দিবে ভদ্ধতেরে দুরুই। মিন বরে ত্ষিরে আর ভারি মুখ্ত গগু।। মন দে বিদরে কোথ।? छ। इत्न कि उर मुक्ति शांकिड ८৮ वर्ष ।। माथ को विका स्थान । विमय की व्यक्ति करण निवास वरण न । क्रिय ফরি নিবেদ্নং; লফাত বণতী ছেল বাফা দণানন। खीबारगर्वे मीछ। मिल्रे । क्व दुम्बीत कार । तम ज्य

प्रधाय प्राप्ता

দিশা। এবং স্ববংশে বিনাশং। আর কিছু বলি ভান ভূরিয়া পুকাশা। এক রমনীর আশোং। দৈত্য কুল রালালি হৈল অনায়াসে।। একটা মুঞ্জ কিবা ছারং। লুজা শু হলে পদে শিশুভাম এতামার।। যাব পারিকেতে কিং: তার কি মরণে ভয় হয় রশবভী।। যদি মৃত্যু জয় হতং। ভবে কি এ অনুগত হোতায় আদিত।। পুনং শুন বিনোদিনাং। কহি কিছু মহতের শুংলা কাহিনি।। ততে যাত্র করে গুলিং। তরাত চন্তাল গুছে জ্যোহলার প্রবংশ । বুজো যে চেদন করেও। দেশহ তথাপি বৃক্ষ ডাঙালি ভালে ভারে।। এই মহতের নীতিং। অভবেলর যালালি ভারে বিক্রা করে রশবভী।।

রলহভার উক্তি।

ুলাব। দতী বলে বটে এই মহতের বাতি। আশুল্ল বদান করে মন্দকরো প্রতি। কিন্তু দেখা নিতি বাজে বিধি চম এবার। ভুজন্দ পোষিলে হয় জ্ঞাপন সংহার। কাননে ককি বৃক্ত করিলে রোপিত। দর্বনা হয় তার কাননে ককি বৃক্ত করিলে রোপিত। দর্বনা হয় তার কাননে ককি বৃক্ত করিলে রোপিত। দর্বনা হয় তার কানর কিন্তা। নীচ সংসর্গে উঠিম নীচম্বুকে পার। ক্রিলেমের উনমতা থাকা তায় দায়॥ পীযুর ক্তে গাঁটুর কোলা মার দিলে। মার হয় পায়ে ঘট লায়ের ছেন বলো। মার মার দিলে। মার হয় দুটে সহ বানে। অস্ব তরা গাঁলার আপনারে নালে। অত্তরর দুটে বভু নাহি দিবে স্বল। ভুজন কইতে দুটি যাথ্ট প্রবল।। তার বিরোধি স্বল। ভুজন কইতে দুটি যাথ্ট প্রবল।। তারি মারেতে বল হয় সর্পাচয়। দুটোরে করিছে বস নাহি দক্তা হয়। ভাই ভরাই ভোষায় গাঁপিতে আশ্রা। উপন্পতি প্রতি পতী বর্ষা নয়। গাঁতি প্রাণ্ডিকা নারী

हरू है ब्रायकीं। जाइनक क्सन औं कि एए। जाना : अर् যাঁরা দেখে পূর্ব শশি প্রভাছ উদরণ ভারা কি তা শোতি ভারতি তের্য । ইংগের ব্যাহতে: সক্ষ ক্ষা ও ব্রহার জাঁদের কি কক্ষত্রহে ল্পা বেলা ছয় বা ই तानकार के अपने में जिस्तार के किए विकास की वा নাহি: লগ মডি।। ভান তন ভ্যাক হলি শালি খাদি প প্রাপি স্তাতে নাহ পতিব্রতা ছাত্তে । পঞ্জি-এই পর্যাপর বিধি। তাহে প্রাক্তিরাদি কেন **হ**ও নিধি । কেন বিহছ পূল, সম , নিন্দিত বুর চন । বাং त्यानः क्षांक कतिक एक्रिश्य ।। एक्ष्यामि, शक्कति स्तः আর নরে। কেছ স্থী নছে এছে উপপত্তি করে।। স্থানে নানা দ্বা **হ**য়েছে **স্থার। স্থি**দ্যান জান সৰ কালার আর ।। উচ্চিড-না হয় বলা দেবের চরিত্র । ন চাহিত্র কিছু শ্রম কাপ পত্র ।। যেই মার্রা পারিছরি ভ मात १९७ । अन्य भारतः साग्यस्ति मुल्यः दवस अ भूति (र स्वतः व्यक्तिकारम् **करतः जनाति**का क्रान्त्रकः 😥 করি হয় রিচারিগী থি জৈমে যাত উপাপতি কলে भार বুলি নাতি পাণ কান কৃত্তি হয়। আছে।। তেয়ান ভা गृंख गर्छ कर्त मान। एक अङ्गीष करा गा हैल मिके! এইত তে কুলুটাক্লাঞ্চাপ্ৰমান্তছাল ৷ দুড়ো কল্প লিংহাৰ্ল কিলাবেরজালন ক্<u>টোরাক্টার হয়, প্রথমার কের</u>) ব ছিলা মান্বিরাক্তে**উলে নাম্য দেশ।** দেশ বি

तमदली शहा छठल तामा कविशो कहिए अहा म

্ কুল্টার যঞ্জা। ১০ ব

[্]এই নকল কুলটে) জীগছণক পৰস্কা শেষজ্ঞা ং

माञ्चा मुकामिता वर्षे

हेशा अहे केल के के किया करते हैं। दश कार साथि कि কুর্মে করিয়াছি। পূর্বের উত্তর কাল না বিকেচন; কলিয়া; नीरमाहरकारत खळामखा अधुक आवश्चित अकारन ্জুলিত পাদকে পতিভ ছইতে চইল ্ হায়ণ কামি उ शाशिमी त्क्रम चक्दत विकाश त श्रित्री कंप्यकृति भाग . विभाग: यमि आंश्कारस्त्र अमे आहस सद्भान न াকিভাম তবে উছিকের এ মারাল্লিকের নে দুখা ভাগা তত্ত্বার কোন উদ্বেপ কাকিও না। হাছটক বেল তার োল রুণনী এডাদুশ ভাষ বশতঃ যৌ্যম মদে মড্ডা প্রন্তু প্রিনার্থের জঠিছা নাছয়। এবং ভার েল वीन त्रेम है एउम व्यक्त कूल में लिए व श्राहरि ४ ० मी ডা শীলে ক্মল্লের অনুশীলন ইচ্ছিতা ও নানকে গণ্ অ-, भीटि मिरशासन मिटश जिला छ काम अभीटण सकाम ালুকেবনে জম্যেবিতা ও মনগতে বৃদ্ধিচাত বৰণে আ-ন্ত্ৰনীত ও শ্ৰুৱাকে বিষ্ক্ৰনে কাম্ব্ৰিতা ইত্যাদি নিচয়াং अवर् हा शहर । कांत्रव भरे राम्स किया खें शहरत मुख ার ক্ষমক দেখিতেছি এব রিধ ভাইন্ এখুন উভ বৈ নঠানবেশ্ব। ডিক্কা পাৰে অর্থানে টুকান করে। করিয়া ডি গঙ্গ দান।সেশ ভ্রমণ করিয়া থাকেন। ডাছাতে পান নি. াসি অপর মাধারণ সকলেই ঐ বৈঞ্বীগণের কাছাতে: দ্বিতে পাইনে পর্মর কছেন। যে এছে ভাই এই ারম্বর্যা বেটী সর্থ **কালে** রড় রপেশু ছি**ল।দে**খ যে, মুশের डायारक चार्थ हाशिरक <mark>मानत कुल मालिरक</mark> डाॉक 🖓 :श िष्ट बक्करन तमरे मृत्य बार् रुति ठाके। त्थाल भारे स्मा া, একগা কি লক্ষার কথা শ্রনিতে গাটা। বাছা ৫.৬ সমুখ্যে দেবে স্বমূৰে হ'লি লাখিতে পারি মা, বায় ি

व्यान्त्र्य। शास्त्र अके रेरकरी द्य क्रक्ट महरू मक्तर व भागत व्यानः स्थानाशास्त्रहे विद्वारह विमीन क्रिका अ त्मते इत्कार शत्क शक्का त्मार्यः दलार्यः दलाहेन छ यो ए ह লোল পুৰা **প্ৰা**ৰ্থ লাগতি চাটিছে চন্দ্ৰয় পাৱসুগ ছইয়া साम्र हमाही स्टेरम ए। इ कि अहे असादेशको बोर्गात ক্ষে ভাই হে বেটাকে পেলে এখন ভয় করে। প্রহা नीए यशार्थ विमाशह त्वरम् अविमे विदेश, अकेषर ए মের সায়ে লাড়িলেছে বৃক্তি ভাইনের মন্ত করা কামের देकर तत्न इन्हें का क्वन दह उथन के रेक्सनीत हुई বিষ্কের নায় শোভিত মানা থাকার: প্রেমিকররের 🐔 পতত্র পাবেজ্যি অন্বরত রত থাতিও একবে দেই म् शालात तम् एत् वाप्तम् अभी व्यूषाः कर्मकाताः । क्षांत्र मक न**र्वत्यान लोकन**्न **क्ष्रेटहरू**,। ८४३ जटनः तर ্দাবস্থার সভাবই অইন জাবার কেছ করে হায়। रेतक्षरोह अस्माध्य क्षिया होतकात् योका स्टेश जांक नुष्क त्थामिक धालानरभव कर मित्रदाष्ट्रे गृहन करिए धा ে দেই প্রয়ান্তর করীভাতে রাজ্যতের কর্মে মণাাহি হইলা ৰস্পীতে চকা চলিতা পতত আন হইয়া লাগত -गरनत कर्णत माग्र न्हेश है कति एउए हासरे कि पूर्णन ्यक तरक तक्क दक्क एक के देव के देव का नीत आहार है। फेर्न्यत्म नाशत्त्रशत देशाहिनी **का**टन मुधा खाटन लाट শর্মাই ত্রমিত একণে লক্ষ্য মক্তিকায় কি আকালক (4) शाह् । श्राफ्त कतिरएहि छोडा : बिरमस जारा क দেকি। ইছা পুরণমাত্র কেহ কহিতেছে যে স্ত্রীলোকটি গ্রেম নাডিকুপা সরিপে যে কামকূপ আছে দেশগারে পতিত ভাতার দৰি অর্থাৎ হোগা আছে যেতেত্ব পুৰ

मधीय नशानिकु।

अग्रेत अमानिकाम त्रक्राणित हैं लोगन कहेगा कामिनीत চামভূপে বেগবতী ছইয়া থাকে: ভক্ষম্ কামকুণে ्वनवाति अनुनंत रस । देवा कि निजिए कि वागुण यथ-क्षणां जीप्रापदा शृद्धात्वतः क्षेमानिहन मान् हिना करि-বেল ডংক্লণাৎ আপিনারং কামকুপের ন্নারি দৃষ্টি করি-एक भारतित्व हैंड। नक्क क्रम क्रामिक वर्षे किस शक्र १३ १३ श्रिमाणिकन राजीक क्षां है है एक शास्त्र में बाक्यर अहे ्रैवकर्वात शृक्ष्य ध्याणिक्रम विश्वीमात्रमानासत् काल्य প্রভাবে আমকুপ পক্তেওে পুনীতা হইয়া সৃদ্ধি দেই পত্তে পারিলভর পেঁড়ো " ছইয়াছিল কিন্তু ঐ রস্গাগবের বারির রাডায়া**ড যাজীরেকে উক্ত পক্ষ নম্ম্ন ও পি**রীভের বেগডোটী পচিয়া কিঞ্ছিত উদ্ধ হইয়। চিন্সা এল নিগত হইতেতে তজ্ঞা উজ মফিকারা ঐ চিম্পা গলে আন टम क्रांगर भागिर जागिर सद्य भाष्ट्रा अक्र्य कति। उत्तर । बहे ताला क्षत्र मांज नकरन हाह। होही एक परत काल আস, ছইয়া কে কাহার অকে'চলিয়া পড়ে ভাহার নীমা নাই। অভএব তে সাধু পুত্র কুলটা জীগণের সকলে রস্বাই দ্বোর্দ প্রাপ্ত হয়। ইহাতে কলটা প্রাপ্তের बामाक यशा नित्मस काल बाधि को छ थाकिए कि **अकारत एवलप गायिमी इंडेट्ड भाति अवरे** प्र'श्राम সরিবেচক ছইয়া যে অসজ্যুক্তি পুনঃ২ উজি এর এ टकरण भाषानात वृक्तित गर्का थर्क छ भोत्रस्ट हर्कोडी। मुन्ह क्तिरका रम**धरह श**क्षिजगरशत अमन् स्थि वारह रह कुन है। औषात्र शिक्ष गाई।

र्भरहा खर्चाद कनक्रम हा नत्तर मून ।

পতি গ্রনিষ্ঠ প্রতি ছক্তা পতি বিশাল ভাতিল।

কানারী নরকং ইকেও শ্রকতি দনিবিশ্যন

ক্রতা পতিব প্রতি নিমান হল লারী নারণা।

কে নারী নরকে হাত কুরীরহর কারে দ

কুলা পুরা পুরা পুরা দারাহিনাং কর্মনাং দ

ক্রেণি নরকং ব্রক্তেও নালী সভাবা ক্রানাং দ

ক্রিণি নরকং ব্রক্তেও নালী সভাবা ক্রানাং দ

ক্রিণি নরকং ব্রক্তেও নালী সভাবা ক্রানাং দ

ক্রিণি পান্তির সভাব শ্রেনা কর্মে নার্মা নরক্ষ নারো। বাদ

ক্যা ভাব। প্রতির সভাব শ্রেনা কর্মে নার্মা

গদা । তিতি এই কুলি বিশেষ নিজ্ঞানত। অন্তর্গত । ইতিয়া কি আমানে বিশাস ক্ষিতে লাকি। এবং ভারও কিছু নিবেশন শ্রম কৈছে কোরী গণেশীয় পরিছ পরি কিছু নিবেশন শ্রম কৈছে কোরী গণেশীয় পরিছ পরিছ করিয়া কুল গর্মার মন্ত্রি গণিত প্রিটি ইনিয়া কুল গর্মার মন্ত্রি গণিত প্রিটি ইনিয়া পরি সেবায় সর্বাধ্যয় ভিন্তান্ত প্রতিষ্ঠানা হারা পরিত্র কলি কিবাছি আনই কিছু বছ মাকিতে হয়। এবং পতি কালৰ পতি লাম কেবায় কলি ইইলো সভী গণেরা ক্ষেম্বার কলি কিবাছি জালা গ্রহান কালি হয়েন প্রতিষ্ঠানা ক্ষাত্রী গণেরা

^{*} পাতিৰ সভাৰ অধাৎ <u>স্থান্থৰে সভীত্ব হৰ্মা</u> রাখাই পাতির সভাৰ রক্ষা করা হইয়াছে।

क्रमावित नांकुमा बर्खनी उद्देशना डेमार्गीर्ड उस्क आंध्र - ইতে হয়। এবং কুপঠভীতে যদ্ৰগ পতির মনরঞ্জন ्विकंग करती। एकाल कुनिहारकेन छलन छित्र संबद्ध-ेचा इडेट इये। अवर मानी मजीवरन दय व्यकात मन-ंत्र मोगोषु करमां ध्येवर्ल करवन। दंग ध्येवात सम्बं लाक अनिन जिल्ला कामी कर्म मिशंच निराक्त क्रेट छ । বা তবে হৈ মহাপ্র যাদ্য পি দানীত্ব দানাই ঘ্রচলবা াধে কেন অন্থাক চাকুরের জায়ো ফুরুরের ভোগ দে লা কিংছের সিংলাধনে শ্লালকৈ স্থাপিত ও ফাণ্র আন হীলভাকে অপিনি ও গকড়ের সুধা কাকেরে স্মান্তি - গ্ৰুমুক্ত অঞ্চ। শীয়ে ওচিত ও পদাবনৈ মুক্তকতে নিৰ্বো-া ৬ ইন: করণে কি—েকিয়া যদি বল কুলানীগণেঃ ত্রণাণতি পদ্দেষার পরিবর্ত্ত হয় তবে কি সভীগণে পতি हरा दिनियह लागमा अर्थीय खरनाई भाग। विष ্ছ যে সভীর পতি বিনাশ হইলে আর পতি জ্ঞানর पुत सार्ट अवर विधव। अञ्चल' **८५७ आह** कांचल शृङ्का বংগ উন যদ্যলি পশ্চিমে সুরো**গদ্য হয়** জ জপদারাল ১শঙ্গা ত, বি করেন ও দুক্ত গণের ২ যতি প্রাপ্ত হয় তথা छ। ।গ্রী মভাগণেয়া ভিন্দৈকের নিমিকেও বিধয়। ১লেশ ভাগ করে না এবং দভী গণের পভির মৃত্যুথভিত কর্ম-সাল মৃত্যু ধা হবার সম্ভাননা ও মৃত্যু বইবোও সভীগদের তীত্ব শক্তিতে মৃত্য পাতি জীবিত হওনের সহাবিনা ংক্তি উদাহরণ সভী নিবসুন্দরী ও শভী সদদের রতি ও তা সাবিত্রী ও সতা বেউকা ও সতা মন্দোদরী ইত্যাদির ्षि कर, दय मछी अस्मामत्री व छमायद्वरन कि व्यकात " নুবে তবে তান জীরাম চন্দ্রের এম দুক্তি আছে যে মদ-

क्षि मानीव दशक मन्द्रीनदशक किया मा विश्वतं रह क्ष क्षि जीनावकी नश्चाहे पाक्रिक । कि अवाहन न नह मरन्तामती एक अवेशायतान त्रीवृतिके कहारतक्ष्य प्रकार **इतिरिक्त ति**। यह नहीं की बद्धा बाक्स विदेश निधार थाकिरात्मुरवास्य चार्छ। जात्मुकी नात्री अत्वत हान কোথাৰ ভাষাও ৰক্তৰা, ৰে সাৰু পুক অৰ, বাৰ্জাঃ চিত্রভিনিক্রেশ করুণ। **্রেখ**ুশ্যামা সভীকে শস্তর্ न्तरम थातन करतन, अ ताथा माखीरक आकृष्ण क्रान्त तरहन त जुननी तुर्वोद्धः विक् सम्बद्धः श्राद्धः क्राह्मन, उ० शक्षः নতীকে নঙ্গাগর শীরোপুরে অবধারণ করেন, «ইভ্যাদি : অভ্ৰৱ দে ভণ্ড কেশা ইছা ছুইতে জ্ৰীগণের আর জানিক महाभ कि खाड्ड सीस्तिरियक मात्रा म्यदश्य युक् दम्ब चात लग ागरक (स कि अधीय हुत्तक (स)त प्राप्त सरा জার: হইলেও সক্ষা, হে ক্রায়ু সন্ধান প্রাতি পাতে वयक् वरा । १५५६० ध्र श्रृक्त्वत प्रवः वसीटक मध्याध করিছে পারেনা'ড'বৈষ্, বাছর :কুট্রাদিচেও নস্তোগ ক্ষিতে ৰক্ষণ াৰগুৰাঞ্চিতি ক্লেন্ড ভদিনী ভাগিনে ন ·भूका गुकी तकांका (कार्क) याचा सामी (महत्ता मानी शिक् लिजी रखद्र साखड़ी गारः। त्मक माली मानाम् लिसार काएमाम् मूएमान् ७ वार बनाना बाहा व एनी है। দিতেও বাহার মন সধ্যের করিতে অস্ক ,ভাহার সন সন্তে<u>ত্র করা যে</u> কি পর্যান্ত ছোর নবক ড়াছা ভাপানার भूतृष्कि मक्ति बाद्रा विविध्या कर दर्शि कर अलाम्य কুপৰে যোৱাভি জীৱনকে প্ৰৱেশ করাইতে বাঞ্চাকনে दसके वाकिकेवा कि भगास द्वाद मादको छ।काउ विद्व-क्सा क्य द्वापि। आह दिश बाशनि शीर थिराशीर

াপা শ্রেম নিধি পরিতার প্রঃদর র্পার জ্পারী
ারের প্রায় অপ্লাপা প্রেমেছার সভীর দ্বীত্ব সংহার
াননে মছাপাপে পদাভিষিক্ত ছইতে মনোভিনিজ্যত াবিতের একি তদ পক্ষে শ্রেষ তব। ত্রহে পঞ্জিনাদির কি কণিত আছে।

ाकांक।

সঞ্জবানি পরিত্যক্ষা আঞ্চবং পরি দেবজ্যে। প্রবানি তথ্য নশান্তি অঞ্জবং নাট নেবং ।।

ক্ষর্প। নিশিচত বিষয় ত্যাগ করি যেই জন। জ্ঞানি-শিচতে বিষয়ের করে আকিঞ্চন। নিশিচত বিশ্ব এয গুয়ার নন্ট হয়। জ্ঞানিশ্চত বিষয়ে চেটা মিন্যা, হয়।

গদা। ভভবেশী এই সমূহ বাকা শুরণ মারেই আ বার আশা নৈরাশ। জানিরা জানের দফা দকা রহা •ইয়া নেলের পলক রহিত হইয়া নাকে। আয় াকিলের বত ব্যক্তা মুখে হাঁ করিয়া ডেলংকরে চাহিয়া রচিলেন

एामी कर्ज़क माभुम् उत्र मस्क, पृथ्वा।

নিপদা।। অসে। মুখে ভাবে প্রাপ্তু, কেন আর পূন্ধ,
নিগুলনে করি আর্কিঞ্ন। নিছাকেন করি চিগু, আলবেন্ধ্রী
নিজা, এই বেলা করি অন্যেব।। আর কেন দিয়ে,
শো, বালকের মত ভালা, অবলনা ছতেতে বজনি।
ভাস্কর উদ্ভিত হলে, আমনি ড হুর বলে, মুভ খণ্ড জবিত্র
থখনি। বার্ণার কেন আশা, বুঝিলাম কর্মনাশা, বাজি
নাম মান মাত্র হয়। এভদ্রেপ ভাবি তক্ত্র, নিজায় শানুর
্জি, গাত্র দালি নেত্র মুদ্রিয়া। চেতন ইইল নাশা,
নামায় সহিল স্থাপ, রছিল বিজ্বলে সঞ্জাগর। উন্তু
মিক গ্র, বনে রশাইনা মন, রম ভাগ রসের নাগব।

क्षांत्रिक निर्माती मन, देव उदन व निर्मा शर्क, जनान कार्य ड व्यक्तिणि। फेलाविया जम्म चर्च, या शिन वितास नेनरिया त्येम श्रेराक्त प्रिमानकि हा प्रेडिन ए दिसा रहे । टवानि रुथीवंग, अवद्यत । हर्मा, वर्षा । देखि 'अहली 'क्रीई जारा, जारुक कश्चिता हत्य, शिल्फ श्रे**ण किटि उ**ल्ला श्वासर होत खक, शक्यक मर्गाति मक, खनर। बरेशा नाथा लाहा। त्में है अके खेतोगरम, मिमंडिया बतायाम, जाता বাংয়রপর দ্বিদ্র একেউ ধ্যার বিপন্ন, শক্ততে, অনুধ্য शस्त्र के व बकात जेगा शम्। नीमी विश्व वाता हिला, वक्षत्त्व वाका इतनः दश्मित्तम बट्डक द्रकृति । वालान uce चित्रीती विदर्ध मन्त्री विक्रीने, स्त्रीने कांग्रेट **क्री**ने ब्याप दलि , अविश निद्धाः कृष्यत्रे, चिनिक्षे श्रायं कृत्रान, ওলাড়েল পাডি**উ শ্যান্ধী** 🖟 কৈ **জানে একুলালা**র, জ্ল कारकेत अमारे. कुलामांत क्षितिक क्षेत्रिक समिति । साहिश कि वालाई, त्याशात जालहानाई, ठीकृत जागाँक व्यय आह । छिडि अविक्यं देखांने, तात्त्रत प्रत्याख व्यान. क्लिबीवरम के चेह वमसी । दिशाश थिकि थाक. सारक ट्यम केलि (नेहां, अई 'दर्गाका माध्रक्र' मंखर्गिक ।) अवट असि, मंभी भागी। टकारिम एवं राखें नेपूची, बिन्विमादं नामा। र्खानात्वन श्राज्ञहाते. त्योम छाटन शस नाती, मां भारतं शाद शाहर है । किसानिए मान्मार्क, सकास ষিলে আমতে, কাবা হৈ বু ক্রিয়া আরম্ভিল।কেছ গ্র ক্র क्षारेंद्रे, यसक मूलव करेंद्र, तक्या अर्क क्षीण विमाणिक । टकें। ठक्त अच्च जुलि, **८० पिछ्लाव टनागांदची, टबर** क चिम्नम् कतिल । तेवर काष्टि बहुत साब् , व्यवस्थ द्वारम्य उ देशः শ্বগাৰ নাশাগু কাটিল দক্ষই কপ করি; ভায়; শবে প্লাপু

ারে গায়, ছলে বলে যামিনী পোহায়। হল উচয় সময়, ুঠাই মহালয়, শেলর অস্তাচল যাব।। এলি সাধ্ धास बाटन, खेरिका व्यक्ति खतास, मुझे बास बनाए महन । संयानि कृत्रक मधी, पृथ्वि मग्राब हाबि, तृत्व मश्च त्याच 🧦 গ বন্ধন । এই বলে যতথনী, তুলিল হাঁনির সুনি, দলে লারাপের নেড়া, কেই বলে পেথি ডাই, টাক্টাই व्यायाय खारे, नाट् रमन मानू कहा रनए । मूक्टर ुलिलित मुक्ष, जन्मि इंटरुट्स मुक, व्यक्ति मुक्ष किलोहेरू ंदर । भीर्य भाग भारतिस्तिः क्षीनिस्तामा एएका करिः मदसर भाका भाषा करहे । स्थानिक दक्षां भटन अहर পানো তেত, বংলাল। দিয় তে, প্রস্থা। এই রুপ স্থান, হামে, এখন - দ্যু বিজ্ঞান্তামে, মাডার উপাচর লগের মিলোন ततिव विता तक्षेत्र, कांग्रे शास्त्र सुच हिंही, कांश्रु ता ষ্ঠা, গালি শেশ । মালে পারেই ছাপ্তম, অন্য কেল্ । স हार इत्र क्षा इष्टम का १ जो छ।। अनुस्य जिल्लाहरू १३,० राम बिर्ट व्यक्ति, ज्ञानिप राम ब्रामान जासाने কৈ সংগ্ৰহণ, সভিয়া লেখেছে বেশ্ব, প্ৰাকেন ক্ৰিল। গৈ ভ धान लाम इन इस दिला, वालिया गार समाध ... न्य क्यास ८५ (व) अकि । शहर कात द्वार ए: एटन লাকৈ এটি, পাৰ, ধান বিধি ভাৱ সাহা লাই 🔧 জালে কলে মিট কলা, কেন্ত্র মুডাইল ল লা, দীলা তথ্যে नियम श्राद्धनाद्ध क्रिक्ट कुमल्ला, विशिष्टांग का वर्तानः অটিক কি আছে এরপারে। মবিং কি বিপত্তি, ভাল ्राया काछि पाति, दिष्टात् भएन भागि अस्य । भागा নিশিষ্ট ছাপেতি, একে পারেই নিক্সাভি, করে তেন পাত শল ক্ৰম ৮ - ১৯তেই আলিকপ কৰি, কলে কেন্ কেপট

कति, करत माध् अरमरण शमन। रक्षत्र वर्ष्ण छात्र, मानी রে সম্বনে ধায়, নাধ্ ভাছে আরে: জুলাতন ।। উন্নাভরে शबरे, हरन यात्र कदरे, बंदर हद्रश्व शक्ति। प्राकृत कायांटे खन, कार मक्षे भूमका कारा उत्म कतिला মিনডি॥ মাধাখাও কথা রাক, হেওনা হে থাকং এতে স্থা চটনার। ছইন্যে শ্রের বঁগু, বিষাদ ছাড়ছে সাধু, কেন কব বিচ্ছেদ ঘটনা॥ দাশীর প্রতি রার বৃদ্ধি, িংগে হবে ২'ব্য শিক্তি, এফেবল অজানুদ্ধি তব। সরুদ্ধের করে ওবি:, ছুট কটে প্রায় বস্তু, ছায়ং কারে ফি বা কর।। লালার এলাব্র, তাকা ছবেল নানা বিধা, ভথ পনা করছে भारतः । । । अक्ट र् म्डकातः प्रश्मन कतिहरू कातः, শুলাত- ে এ শাল আয় ৷ বাটীৰ বাছির হয়ে, প্রীছরি খারণ লাখ্য সাল্ডা চল্লাডে জড়ি এবে। স্কাং র**স্বভী**, পতিব্ৰতা দালু সভী, এট কৰা হয় পুনা ভাগে ৪ সভীৱ महीष् कता, विख्याती भवता, अवनि इतेन (सुद्रेक्का) हास्कृत विका वं । काम बहेल विन, छाळ्य बहेल ভারাল্য দ্র কে 🔗 ুজবিল ৩০৮, লাণকরে পঞ্জরে, াক ভাছে কাঙলি ভূলিল। হিরামোধন মনিয়া,, নাব। ৮:র প্রাপিয়া, পাকসাটে ডাক আর্ছিশ। বাঁউই পাউই দীয়া, স্কৃতিকজল কাকাতোয়ান ময়না মান্ত धक भावी । रेक्स्यानि चल्लान पुळि, सिस्क मास्त्रक धोष्ट्रिक, नीवक्ष वालस्मारन मूती।। मादम প्रकाह वाञ्च, 🕬 ठको ভिমরাজ, ভরত ফুল টুদী खादल्य। कुटलायुक्की अङ्ग्र्डि, यानतना शानदकीछि, प्रश्न वेमक वोती दमन । कलिंशि विज्ञान कूटक धृत्रु लिए-রাল, তোডা করিয়াল হাজার দস্তা। চলুলো জাজলা

্ধী গণকে জিজ্ঞানা করিলেন যে সে পাশ্চিট হোগায়। **জিত ছাকা লাভ মান স্থান্য দুগুর্মান: হট্**রা গলবাল ां निभक्ते अक्षा के किंग का कि होतुन्त्रां ने नामी भाषत ্কঞিৎ নিষেদন আছে জনুমতি হয় পুকাশ করি। গ্রামুখি শ্রাইলেন নেকি, সহচারীর। ক্ছিডেছে, গাকু-যাৰী শুন। মাতা পিডার জনিষ্টকারিকে তথ পড়া প্রেক্তরা কি প্রকার স্বেহ করে রাম্বর্তা সঙ্গিনীলাগর এম দ^{ি ভ} गुरुर्भ क्रेंबजीयक्रांगानित केडिटलग दर राजः शिकाय প্রিষ্ট ভারির পাণ দিন্ত ভারি চইলেও পাপাশ্রিত ्य मा एश्रम सहजाती बुट्डा कहिल द्य दन मटकेत ुँ িনট না করিয়া মালা কর্নের জগুড়ার ভীক্ত গতের প্রকা মন্ত্রের কেশ লোঁপাদি চল্লের পক্ষ জ পুভ্ডি বেশ-াবেলী মুগুলন ইতালি বরিয়াছি। সর্তা কটিলেন ে কি প্রার : তথ্ন সজিনী বংশরা প্রযুখীত পাদ ्रवा कारफाभिष्य नेयस वर्गन कहिरल्य उननकी शहर শ্ব অহুরে যজাপ হয় তজ্ঞপ হইয়া কহিলেন গে তেও-ারা কের আমার পাণনাথে আনিটা দের সেচেছ 🕬 ামস্ব বৃত্তার মেট পাংকাদ্বের পদ প্রথমন করিছ ইলে ভাগার গতীব প্রেলি ক্রে অসিক্টা হওুলেক প্রারমা । অভএব সর্গাহে শীঘু <mark>গমনে সেই</mark> বিগ্রহতে াগাঁর নিগ্র ডোগ কর। তার নিশির ব্যাপার কার ক্ৰ ভাত করা ঘাবন। ইছা বিশেষ ৰূপেই ক্কলেয -জানিও রা**খি**ব। কেননা গ্রু নিশিতে যে ভাগ্রেশ িত্ত ৰূপ ধরিয়া আদিয়াছিল ভাষাকে জামত: বংল্ট करन विश्वाम कहिशाहक उड्डम एव शहितदर्ह विश-াথে আনিয়া এই চলা বেশীর প্যন বার্ত্ত জালতাত

गणाच न्यागका

রাপিয়া হিন্ত সমাদন করিব অর্থাৎ সকলেই জানিবের ए हैनिहै कला खानियारहम हेहा क्रांठ गांव भानेपूर्ण ক্ষিল হে আজা চাকুরাণী আপরামশ পুরেতাভবা বড়ে তী মুখের আজা হইলেই **আজা** বাহিনীরা জীহার স্বরিয় अहिंहि करत तमवजी कहिएलमें **करते विभाग कि।** मानी গুলের) কছিল বিশয় আপনার হস্ত চিত্র পাত্র: রুগরভী কহিলেন দে বিশয় সবেনা দেখলো রভি কাষের কৃতাত সম দরান্ত শরে জায়ার পানাত্র ভইতেছে। প্রথামি নার এতাবলাক) শুনিফা গত গামিনী নামে এক নথা প্রজ গমনে রুলরাজ সমিদে শাঁচে পুখাতো করিলেন। এখানে ক্রক রাজে। রাজপুছ সান করে বসু সহকারে ছকান্তার प्रमुख कर्के मुख्यान कहिए। र प्रश्निः स्ट्राम, स्ट्राम, स्ट्राम, स्ट्राम, বালপুত্র গাত্রাখান করত আশ্রহ্যানিত চিতা: করত! কান্তার বিরহামত্যা এলেবর **শুদ্ধ ত**রুবর প্রায় উভাং হয়ে প্দুলিত গেছে ল ার বছরর বায়ঃরত হল ছরে उट श्रीदेश के सम्रामह व्यक्तार्थ केस्ताम श्रीिए के केस्त मं मं सारम काछि ठास केरिकाश्वद्ध थाउँ श्विमानर आहर উত্ত গত ইত্যাদি সূর মির্গত করিতে হাটীর বাচিতে অং শাল নিকটাবতি প্ৰেশাদ্যানে মহেশ মঠ পাড়িতে অধাং শিব নন্দিরের রোণাকে গাত্র ঢালিয়া ইভস্ত ल्कित ज्ञारा इन्केट क्रिए थाकिल्य एक्सरत जन-হলে বিহাহে লোক লক্ষা ভার ভাত ভারিয়া গৈখাবে-গ্ৰন করিয়া আপনার শর্বেক্সিয় পুভূতিকে কি কণ ভংগিনা করিতেছেন ভাতা অস্ত্যমক প্রার প্রলে নিবর্টা र हेल .

নীলকামের ইন্ডিয় ভর্মনা ও পিরং পাশে যাত্র: ও পুরিয়ে পুরিত দামীর সভিত সন্দর্শন ও তথ্যমিপে গ্রমন

অসুসমক পঢ়ার। মনঃতর ব্যবহার, এতাবে কেন্দ্র নঃ মেছেনীরে ভুলে কিসে দিলি খনগা চিত্ত তব জনে: ছত শামার জেলা কারে। সে ভাবে অভাব খণে মিট্ ভাব কারে।। করে বৃজ্জে বল বৃদ্ধি বোল্লা ছই এই। কেবল रार्ने छ। एए। कह एक्ट्रे क्ट्रें । तामदा किकारम सुरल हिल ष्टि काम । कि छे बढ भिटत गाउर संशक्तित कामना नोक-कि मैं कि दि । चौत्रमा । दिशाधीय एउटा अर्थी दकाणीय প্রিন । ইজে, রবরে হিজেন কি আচেড় ভার স্থা, নির্ধ বল্লছ জুখনা নাছে। কেন সহ্ । কেন্ডের কিলন্দে জান্ত্র প্রেল মেল পাচলে। কল্পি নার্ছি ছবলী চল ব্যক্তবের। প্রেল মন্ত্ৰীৰ প্ৰায়ে ভাল্প কাৰে উল্ভুখ্ একহাৰ ডাইড লান) ভারে জাহেনে । মুনের মুনগা**র** ভারে জ্বা নার্লি াম । দে স্বয়েশ্বলৈ সূপ, মাজটালা পৰে। কি সুকো বিদ্ধান কি মহাব্যাস কেলেকলে হৈছে লাভেং ংকো তথা, বাস্থা বলিত তওঁয়ে নিজে। আছিকে শুস্ক। াঘাণ্ডি প্রিয়া কাল্যা কৈ নাম শ্রেক। কিবছে সারছে জ্ঞান ा तब ७७ । शिक्षमी अभिद्रमा दृष्टि र द्वा अञ्चाष्ट्रभाग कर दृ ে কাৰ ফুণা হৈছে বাজিকৰ। কাৰে গৈছে ক্সিছিছেন বুং পিছেছ ठकतु । कि अध्य अधिक श्रम अस श्रामर्। स् त्राल দার্পণ প্রিয়া রাজা পাদে । এছে দেহ ক্ষান্ত দেহ সহাত ারল । একতার হাও পুেমে পামাল তারণ ৷৷ দেখাতো গ্রন ার শক্তে ভাবে সব। জীৱিত হইয়ে একন হই তেজ শব।। রি ভাবে ঐক) হয়ে থাক যদি সুদ্রে । আওল: সরলা

বাল। কত জালা সবে।। বিবাহ অবধি শৃতি হইয়াই ভ্রম। ইথে কি তোমার বড় হতেছে সমুম।। ছিছিং ছিছিং ছाড़ दिवादिय । अस खादि मदि हम याहे मिहे दिन । आहात कितिष्ट किन कृमन मत्मन। हेराए७ किवल ऋत হতেছে সন্দেশ।। ছাদ্য় ভোমাকে লোকে কছে গ্রমশীল। उत्त त्य निषय पुरित बङ्गाङ भीन । त्राक्रभक नकरन বুঝায় এই অপে। কিন্তু দেহ দহে দদা ভাবিয়ে দেৱপে। প্রল বিরহ জালা নাপারি দহিতে। চুপি রায় ভাকে বায় ঘোটক সহিতে।। আজা মাত্র সমূথে সহিস অগ্ इ. । नालकात तरल पुता कान सभ हय । क्यांन महिल শীলু যোগায় জুরজে। মূগর। ছলেতে মার ভাজে চজু রক্ষে । না জানিল রাজা রাণী এসর ব্যাপার। চলে রার ভাগান নিধি করিতে ব্যাপার। দৃশ্যাদৃশ্য তথ্য **ৰূপ যেন** ভোজ বাজি। বিরহ জুবিয়া তেখে চালাই**ল বাজী**।। এত দেশ যায় নিজ **রাজ্য পরি**গরি ব্লংগ্র গুলি বান হরিপুজ ছরি।, মনেং বলে পুণে পুণে নিলে ছরি।, প্লারিডেনা স্বডেতন থাকিলে পুছরী। প্রাছইয়ে সদা কেন হৃদ্ধিং হার। একখা কহিব কায় ছরি ছরিং।। নেল পূণে না ছেরিয়ে গেরপ লছরি। পাণি প্রেট বলে দয়। করা হে শ্রীহরি।। দেখাও ছে স্বপনেতে দেখিয়াছি হায়। এই কণ বলে আর মহা বেলে যায় ৷৷ ছেন কালে সহ-চারা লয়ে করিবর। সমুখে মিলিল পথে যথা নববর॥ আশ্চর্য্য ছইয়ে রায় করে নিরীক্ষণ ৷ ভাবেকে মাতক্ষে अन दर्ति नित्रक्तन ॥ अहे काल हिस्। किस कात पृष्टेखन । মনে করে বৃথি মিলাইল সেই জন। সুসার হইল বৃথি অর্প্ত অশে। আশার হইল বৃঝি পরিপূর্ণ আশা।।

) উদাহে ডির হয়ে গতি করিতে নারিলো । সাধু ব**লে কেব**। তুমি করিতে নারীলো।। মন গত ভাব দাসী বুঝিয়া আ-ভালে। পরিচয় দিল ভারে অমুভের ভাষে।। গুনিরায় মস্তাপিত প্রিয়া আবেদন। যোড়াহৈতে পড়ে মনে পাইয়া বেদন।। য়পন ছইল সত্য একি চ্যংকার: প্রিয়া কট ভাবি রায় করে হাছাকার ।। উদ্ভাতে বলে কোথা অণ্ডির গতি। পতিব্রতা হয়ে তার এটেক দর্গ তি।। ভোমার কি দিব দোষ দব দোষী আমি। কিন্তু প্রভূতিনি সর আমি নহে আমি ৷ এইকপে নানা খেদ करत ४२ ७ ति । कहि रेब ८७ गांवि भागी करत अवासति ।। अनुमारन कार्य शिक्षि कानिया युवली। वटल ५८० छल। হিথা রুস্বভা।। কান্দিলে কি হবে কল কান্দিছেন ধর্ম। দ্বারার শ্বাকার ছাছাকার ধূনি।। মিছে **থে**দ কেন প্রান্ত কর অনারত। উজ্জাপন কর গিয়া সভাত্ত্বের ব্রভ। ত্টি ভূলে আছু নাছি ভোলে •তব দতা : প্ৰিব্ৰভা ্রাজ্যে তার নিগত বস্তি।। উঠিং কেন আর সিকায়ে सर्वा । इस एक श्वाके निशा तमनी स्वरन। मामीत् থাকো স্বাস্ত হয়ে নীলকান্ত। উঠিয়া ত্ৰিল যেন মণি নিলকার। নয়নেতে অক্পাত প্রিয়াং করে। অঞ্চলে नमन मागी गृहारोज करत ॥ ध्यामनिधि मान व्यास छती-েও করিছে। দাসী সহ উচে রায় স্থরিতে করিতে।। গজ রাছ পিছে লয় বাজী বন্ধি করি। প্রিয়া লেলে অভি उत्तर जानाहेन कति ॥ याहर्त्वर मानी मन्तर छाटर । त জেনে কেমনে লয়ে যাই অনুভাবে।। কি জানি যদ্যপি वसी वाल अहा (कहा। उत्त अ भामित याशा दीहाई द क्टो।। अटलक छाविया मामी गुड़ि भृष्टे करते। পরিচয়

হৈতৃ ইসবাজে চল করে। অনুভাবে বুঝি রায় তার হম-ন। সাল্পান বলে ইনি তার সম নন। দাসীবলে মার পুল কুদ্রিরে বিনাশে। গানা কুট যন্ত্র ফেরি ডংই অনায়ালে। এক বার কুনী হৈলে রোজা আব বার। অস্ত্র কি হারায় যাই আর বারবার।। নালকান্ত বলে স্থী আছে মেন শোনা। কন্তিতে পড়িলে জানা যায় তাঁবা সালা। চুমুক প্রস্তরে লোহ করে আকর্ষণ। থাকে কি প্রত্য তাপ হললে বর্ষণ। ভূতনাথ পদ ভাবি কহে কূতনাগ সাল্ভ নাগর তথা নাগরী আনাথ।।

গদ্য। এখানে গান্ধার নগরে রাজা বাণী রজনীর বিশ্বার না জানিয়া কেবল এটা ছাগেন যে লগেনা মৃহত্তি লান অর্থাৎ দুই দশু পাত্র গাদিশে গাদেগোন করত নামু সেবলাগে ভ্রন্থাক্ত হট্যা নগর অ্যতে প্রস্থান বরি হাছেন , বে তেওঁ রসবর্ধী প্রাতে ঐ ব্যক্তি ঘোষণা করিয়াটিলেন, ওলনহর দিশায়র নিবে অন্থান চূড়াইন লাইন করিয়াটিলেন, উলনহর দিশায়র নিবে অন্থান চূড়াইন লাইন করিয়াটিলেন, উলনহর দিশায়র নিবে অন্থান চূড়াইন লাইন করিছে ভারত ভারত হাজান মূললে এটাল পাইলেন। এতংকালে রসবর্ধীর দাসী রসবাজ সহিছে বাজারী নিকটা হাল্যা গজরাজ হাল্ত জাবরোহণপ্রক্ষে স্থানি নিকটা হাল্যা হাল্যা স্থানার প্রক্ষিত নার্থান মাত্রেই ব্যক্তি নার্থান স্থানার সজ্জায় প্রক্রিক ও কেছ কেছ রসবর্তাতে সুমুজ্জানিতা করিতে লাগিল।

রুমরভার সজ্ব।

পঘু জিপদী। পৃঠা দিন প্রায়, সভীরে সাজায়, গতেক হৃবতী আসি। করে নানা বেশ, অংশেষ বিশেষ,

गडीच नूशानिक् ।

্ষ। আনি রাশীং।। হারে ঘেরি গলা; রাটতে মেথলা, फिंट क्रांतिन मात्री। श्रति कृषकान, क्रांति, भरत मिटण छटल है। मि॥ भनामि गश्रुक, मिल स्थादकर, ্যথানে যেৰূপ নাজে। কিবা কব শোভা, রতি পতি ,লাভা, বিজ্লি চঞ্জা লাজে।। একেন্ড সেৱপ, কটিস্থ। কপ, বিনা ভূষাতে ভূষিত। অক্সণে কিরণ, দিতে বিভরণ, যেন হয়েছে উদিত ।। বুঝি মু**ব শশি, হেরে** ছিল পশি, मृत्या शांकि त्वान पित्म। छाडे यत्मर, यनः अजिमातन, क्रम इस फिल्मर ।। दन खड़्क ज़ुबन, दक्यन कृषन, जूरनाजिय নাছি পায়। জালাক যেমন, করয়ে লেগন, শিব হাল। উমা পায়।। দেইনেপ ভায়, সকলো সাজায়, খাছা মনে अरम श्रीतः शास्त्रित मझल, कतिएक इत्यान, खास है। বলস্কার। মহে কি শক্তি, হিরা গ্রন্থমতি, প্রকাশিয়ে নিজকর। কণ্ঠহার ছলে, আরোহিয়া ছলে, স্থনে গাঁল-মাছে কর।। কেবল এয়োতে, রাখিতে এমতে, গরিয়াছে নানা দাজ: দেৱপ শুভাতে, প্রদানী প্রভাতে, খনে করে দিবা রাজ ।। নাগারির তাহ, নাহি শোভাপাঁছ ্যন অনাজ্য শশি। সেঅস উলাস, সদ পতি সধ্ शाधि वह जान दानि ।

। গদ্য। পরে এইকপ সজ্জা করিয়া রস্থতী সাল্লনী গলে রক্তে ভাল কালনাথের আশাপথ চিতা করিছে থাকিলেন। এখানে নীলকান্ত মাভজ ত্যজিরাভুর্জাকটে ন্রজ্ঞ লোচনার বিরহালোচনায় সন্মলে চ্ছিতেই শ্রেবালয়ে স্থাগত হইয়া অন্যান্য ব্যাপারান্তে ই'ল ্যাহিনী মন্দ্রে উপ্ভিত্ত হইলেন।

রুষরতীর প্রতিমহ লীলা।

পায় কি। ব্যৱাজে চেরি ভবে যাত মধীগণ। আহি দ্যান্তে প্রণমিল ধরিয়। চরণ।। আগচ্ছ আগচ্ছ তলে করে पद्यायम्। करमी मत्था क्रम द्वान द्वानाद नम्मे।। श्नाटकः ুণি তি অজ ছই ল দবার। উপলিল প্রেম দিয়া মহি শিয়াবার।। রস হাতে রসবতী হলে কবি লক্ষ। লোচনে লোচন রাখি স্থির হৈল পক্ষ ।। নীলকাম প্রিয়া মুখ জরি নিরীক্ষণ। নেতে নেত্রে সমর্থিয়া এক দক্তে রণ। উভয়েং তেরি মোহ উপজিল। উভায়র স্থির নেত্রে নীর দেখা দিল। নীলকান্ত নেত্রে যেন নব ঘন প্রায়; যনং রঙর্ঘ প্রক্ষ বিজুলি শেলায়।। অধর ভীতিল ধার। নেজে মাহি গরে। চরণ আজিত হৈয়ে পড়ে ধরা গারে। সভীব ্লাচন যেন সজল নিৱদ। খেত প্ৰাক্তমেই হয় বেশক-নদ। ছক্ষ পতি অধর হইতে নুয় জল্পা। মোহ ৰূপী ज्योद्रथं चारम राम शक्ता। रेग्डाइस्ड म**जी**द स्मेख उका ন্তি প্রায়। নিযু প্র কমুণ্ডল শোভিতেছে তায়।। লের নীর কণে ফেন জবেমগা পায়। কুচ কুছ শস্ত, প্রায় প্রেম মাথায়। বায়ামর কাচলি ঔতিয়া অবংশ্যে। मों जित्र राथ भवः दरात क्रास्मत्व श्रीतरणः। सभी दर न्दर्ग লিরি নাজি যে সারর। এই ছেতু নিরি ছউতে পড়িছে নিক্র। তথা সইতে অতি সূতে জানু বয়ে যান। মনে হয় জ'জ্মুণি করেছি**ল পা**ন।। হাড়েণ ব্রহ্ম। থাঁরে ধাা<mark>ন</mark>ে নাহি পান। তেনগুলা সতী চাকে আমন্দে থেলান।। ডাই বলি পতি ভল্জি কর সভীগণ। খাঁরে ইক্ষা জ্ঞান চক্ষে পাবে.দুরুশন। এই কপ অপরপ ছেরিয়া উভয়। श्चित (मटन (मीम छार ताक) मिल क्या। किक्तिए कि

শিছ্রি শর্করা। রগগোলা রসে ভরা পান্ত ছানাবড়া।
গুলা থইচুর ফেনি গোলাবি পেঁড়া। পায়সাম নানাবিধ
থিপিউক কচুরি। বিবিধ ভাজন ছোকা লুচি কারি পুরি।।
গুভাজ রসাক্ষ জব্য এই কপ যত। ফল কুল আদি
যোগাইল কভশত।। তবে যুবরাজ সব যুবর্তা লইয়া।
গাদ্য ক্রিয়া সমর্পিল আনন্দে মাডিয়া।। পাল করে ড ছুসাদি তমুক্ট পুম। দখা গণে আরম্ভিল গাঁত বাদ্য গুল।
স্বিগণের লুভা গাঁত বাদ্য।

লগ্ লিপদী। লয়ে নানা যন্ত্র, করি এক তন্ত্র, করে পুর মন্ত্রাদন : কিবা পাধ্যাজ, অম্য আও।জ, চাটিতে कारहे ननन ।। त्माचात्र एश्रुत, ठाइक मूमधूत, श्रूर्त्ति াধরি ভার। অতি থরতাল, বাজে ধরতাল, দারেছে दाविनो भाषा। स्माहिनी उथन, जीकरश होमन, दक्रिनी इलिएइ लाग: कि स्थाना समिएत. वाकिएइ संमिएत यांनिनी पिरटरह मान ।। कलाांनी छाशाह, कलांन खनाह, পুরমা গুরট গায়। গাইতে:ছ গৌনী, পুরবির গৌরী, নাড়ে ভাগ দিয়ে ভাগ। কেদারী কেদার, গাইঃছ (मनात, कृशांती कामन करता। शंख्यन रेखतरी, शांश्रेर्ह ु छत्रदी. यांनठी यांनदकाय श्रद्ध । क्रम चानितारा. तां देख योक्षात, त्वर श्रीका निष्ठ हेती। त्वर अधिराहे, ায় ছায়ানট, কেহু খট বাগেশ্বরী।। বারোঁয়া প্রতে, ় কং বা থায়াজে, জয় জয়ন্তী শ্রীরাগ। সোহেনা নেহারা, वरु निक्न शांत्र', यान्त्री कियाँ हे त्दराश । क्रस्य ানাড়া, কেহবা কানাক্ড়া,কেছ হাদ্রি মুদ্তান। বাহারে াদার, মরি কি বাছার, বসতে মারিছে ভান।। রান

(क्ली ভाষ, ज्ञारबाटक द्याताम, मीलक त्रीक शलान्य' रेकेंद्र काफि कछ, द्रांश मछर, दर्गरंघ मनिछ विछाय । करद का लाम, नरव का लाम, लाम तमग्र लोटमर । कराब बीलकायु, प्रजी व्यानकारु, मुखा कर नहर विदल ।। व्याक्त, प्रति भिरत, फेट्रेट श्रीरत्र, याहाशा बाट्ट खरोगा : एतरलदण हाती, दशनार कितार, श्राकितीर श्रिमा।। दक्रक राहाः ध्वरन, रेश्टाहेड क्ट् लानः मुक्किश्रे प्ना न (क.पूर, जाना दमदत्र<mark>, छाल क्टेंके छाना</mark> नांना ।। का भानि वाकिएक, खादा कि नाकिएक, दिवरा दशानान अहारत । करत कछ श्रीष्ठा, दमामाहरत श्रीष्ठा, क्रेमरकश জলে । পর্মে থেমটা, শুভিয়া ঘোমটা, কেছবা করেছে পার। আত্তে ফিরে যায়, আত্তেং চার, হারং বলিহারি। , भागा (७७) लहा, किजिबृष्टे राङ्ग्, स्माथाक ্তেথাক। নাম। গারেজ নিয়ত, বেছাগোর গত, পালিছে লারিরা ভাষ । মাডিয়া ভালেতে, ছেলাতে ছেলাতে ্টিডে নহেক উনু। পদেতে মধুর, নূপুর গুলুর, লগ ি ুনৰ কণ আৰু ।৷ হেলাইয়ে বুক, ফেরাইয়ে মুখ, ধারে-ार आहे। दिश रोष जुलि, हटल एकिश, कथन दा फ्रांच প্র শ আরু কোন ধনী, লট পটা বেণী, চিতায়ে প্রভূমে এর। বিভু বা লাচিছে, কড় বা উচিছে, নরনেতে ভাল প্রাচ বিবা অপ্রিপ, মনোছর রূপ, যতেক হ্রতী গণ रा डिस्माडनः, नष्म छेत्रमां, नृष्ण करत घनरः। • ৩ ছেবি রাদ, স্ব**ঘনেতে চায়, কামেতে হৈ**য়ে পাঁড়ি ও। দতী বংল হায়, যে দেখি ডোমায়, কর পাছে বিপ दोल प नदत्रम नामन, कर्यन उपन, दम्बिक चाड़ ि ্লার রস্বাহী কয়**, শুন মহাশয়, জঙ্গলা মানে** কি

সভীত্ব সুধাসিজু।

রসবর্তীর পতি শুভি উস্থা।

পয়ার। সভী কছেপতি প্রতি এ আর কি বঙ্গ।
তি চুরি করিতে কি হৈলনা আতল। নিদ্যুতা জনেব
্দু না করিয়া ভল। কেননেতে বিবসনা করিলেকে
ক। দাসী ছই বলে সুঝি করিয়া উলাল। নন সামে
নাবাশে ছেরিলে সর্বালে । নমুদ্ধানু সামে স্থা কলে
বি ভ্লা হেলায় করিলে লক্ষ্য পরতের শলা। সলো
ক ভ্লা ছেপ্রাল করিলে লক্ষ্য পরতের শলা। সলো
ক দহিলে ছেপ্রাল রাজ্য। বল্লে যুদ্ধি ক বাজা
ল কি পভলা। আয়ায়রা প্রায় কর য় উপায় মল।
কেন পড়িয়ে পায় ভার আশা ভলা। অনুমান করি
কি থাও গাঁলা ভাল। নহে কেন কাকি দিয়া কর বল
ক। বনেং ফিরিডে ছে ছাপিয়া কুরজা ঘনুতে হিওতে
ত সিহল পভলা। ধনু ধারা রাখে নালি দয়ার প্রসল।
কো ভার আছে স্থা নিষ্ঠুর অনল।
কা

প্রকার্থ।

ি প্রার। নীল্কান্ত বলে প্রিয়ে তাত জান প্রী।
নিছুর অনম অজি দবে দের কটা। দরে জুরং অর্ট
বিল মেদ্টা। তাই করি হেন কটা কেন হও কটা।
বিল মেদ্টা। তাই করি হেন কটা কেন হও কটা।
বিল মেদ্টা। তাই করি হেন কটা কেন হও কটা।
বি নিদার অনিটা। কি জানি প্রিনী হাদি কর ঘর
দ্টা। তবেত জ্বালায় জ্বালা বাড়িবে অরিটা। সহিতে
পারিব কিনা কটোপার কটা। দেই ভয়ে তব নিদ্যা
বাহি করি নটা। ইংশ যদি হৈয়ে থাকি দেবেতে পুরি
টা ভাল মদদ যাহাহ হয় করলো নিদিটি॥

রুগরভার মান ও মানভজ্জন ও নালকান্তের সংদেশ গ্রহন। প্রার । রুগরভী বলে কি বেলিব রুগরাজ। হারন

श्रुतिए उर नाहि देशन नाक । চাहित्न कि পেতে गाँख পাণ পিয় ইয়। কেননৈ নিভিত পলে খাইলেহে মধু।। रघरोट्ट निजीस चर हत्रन लिभनी। स्मिक क्लू नार अरह यश् ल्युक्तांत्रिकी !! अष्ठ किन शरत दहस्य लक्क्स्पत कन । अक्टरबट्ड विनक्षण भारे छोत कना। स्वटन कतिता मर्था प्रकार्या प्रकृत। आयाद इहेल कल दक्तन विकृत। এতেক বলিয়া ধনী করি অভিমান। অম্বরেতে সম্বরিয়া लाइक श्वरहान ।। योनज्ञात जुडी देश्या मगु भियत तेन् একপ হেরিয়া রায় ধিরেং কন।। কেন পাণ অভিমান কর আমা পৃতি। অপয়াধি হই যদি তব তব পতি। মরি তাপে লখুপাপে গুরু দণ্ড হয়। বল প্রিয়ে দেন পুলে কেননে ভেরর।। রভি চুরি চেতু ইথে এত অভি খান। চাও ফিরে দেই ফিরে মান ভাজ পুলে। হাই দিয়ে লছ প্রিয় পিরীতি রতন : লচঃ ফিরে লচ বদন গ্য়ন ৷৷ লছ পুাণ আঁলিজন মুখাল্ড পান ' দেই ফিল ু পূৰণ ভোৱে লখ এই পূৰণ। ইযে যদি অভিমান লা 🌬 া পূর্ব। দ্যুর ভরুৱে দ্ভ কর্ব ভূর্ব। মন ডেগরে ব'খি রাথ ছদি কারাগারে। কটাক্ষে গরল বটি কর স্বারেং। न्य प्रत्य प्रश्न पिदा कुछ निति वस्काः अस्म स्मूष स्म ্ব ী ফে করিবে রক্ষো। ভুক্ত ভৃত্তক্ষম পালে রাশিং এবার। কেশ অকের্যনে কর নিতম পুছার।। ইত্যানি কিবাৰ হৃষ্টি নাহি হও পুৰে। অভয় পুদান করি চোট কর ভাগ। এত বলি ধরে রায় পুরসার পায়। দেকিএ निव प्रती अरफ् अठि आग्रा। अकलान देहत्वर अम्प्रः দাও। কেন গুড় গুরু পাপে ফেলিবারে চাও।। ক্ষঃ र्षायात्र योग निया शामा कर अभवाधी मामी खाः

পাছেই। তব স্থা বাকে। আন্ধ হৈল হে শতিল। অভিএখান অনুবাগ গোল বসাভল।। এই কপা রন ভাষে নিশি
অবসান। জলমে অবশ দোঁছে দিবা নিজা থান।। সমত
গাইছা ভবে হয় নিদা ভন্ন। আহার বিছারে সদা অনক্লের সল্।। এইকপা কিচু দিনা তথাস ব্ঞিকা। হদেশে
গৈলেন রায় সলো লয়ে পিরা।। যোড় করে ভূতনাথ
করে নিবেদন। পতি পুতি দুঢ় ভাত্তি কর বতীগ্র
সার বুড়ের অভাবে ওদীয়ান্ননার বুণাতার

चा उक्तिम ।

गरा: इंड्यूर्ट्स वे इव्रावनी मंश् क्राइ न्या: • ক্ষেত্র মোহিনী নামে উছার বনিত। ইতার সভিত একা চন कालचाभारन अधिक क्षेत्रा साम्राज्य कारारे मारादिश হিন্তা কর্ড একাকিনা দুঃখিনীর ন্যায় থা ফলেন। প্রে শীৰবারশ্য হওত নভোমগুলে মগুলাফার সংগ্রের নিকর কর প্রকাশে বিরাজ্মান ছইলেন। তথ্যর ঐ কুল্বালা ির্জনীকাল কাল সদৃশ জানে ও মদনের পঞ্জারে হোফি লের পঞ্চয়রেও মদ্দং মারুৎ আদিয়ানে গুরুং থবং কয়িত ू क**्लरत रहे**शा विद्या कतिस्त्रन दश एए। काँत विशेष कर्छे काष्ट्रीहरूमा किंदु निभा काष्ट्रीहरू नाग रहेल. बालानु যোবন ওরণী কালারী বিহানে বুঝি ঘোর বিবহ কাল্যে ু নিম্পু ছতুনের সম্ভাবনা ছায়ং উপায় কি - 🗯 ১ প্রম , নাবিক আপনি এ জীন তর্ণী পরিত্যান গৃহৎসর কোন তরুণ তরণীর কাগুরৌ হইয়াছ, ভাল ছওং পুথে থাক अशास्त्र अमानी नुषी वर्षे, खाश छाल थाक छालदानि প্রত্যাগমান সমূদ্য হইব। এতজপ হাছাকারে প্রতি त्रभनी श्रासाद कर फिन क्षान्य घरमर किशा कदिरलमः

. अ खर्राप्त छगनिति अमानीरत जूलिया क्लियात दकि-লেম জি কালার কুহতেই পড়িলেন কি আমিই মনোমত্ব বহি ইহা ভাবিয়া মনোমত অঞ্চনা দলে বৃতিব্রেট বা पांचिरनम एक्षा किछडे वृद्धिक नाति किछ नाती इहेडाए এবার্থর পোড়া পোড় মদনের পোড়াতে আর পৃতিতে পারিনা: এহয় করে চিস্থান্বে মগ হইয়া আও উপায় ষ্টির করিলেন যে মার্মার নিকট কোন দিবস ক্রুত আছি াম প্রীরবের। উপপতি প্রাণ্ডি করিলে অন্তান্ত ল্ডাভি পান এবং উপপত্তি পতি অপেক্ষা ভাষিক থেছ लकाम भू लेक ये डेनभू ही निशंक शर्भ के लाग राजा। व्यवर ं त्रमधी त्रकाख जिल्ला खना कारक इंग्लि महासा লারেন ডাহার বৃক্তির ভীক্ষাভা অভ্যান্তম রূপে সম্লাদন হয়। खात । ए शृक्षय प्रभं कदिएन खीवरनदा एएन यन गांगं पर्यन शाटरमः। ऋड्डन अष्टे मुक्न द्रांशाद्व द्व कि मध दर्गशाद ভাহা আমাদ অলোচর। কিন্তু সেই বির্ণিণর পাঁডা, দ্যায়ক অস্তাহে ক্**ভান্ত সম দুর্দান্ত বসন্ত** পাভি সইতে ুলি জামাল লোচর ছইল। ইত্যালোচনা করত গৃহ ्रेट निर्णेष शहेश **हे उन्ह ज जातर**नाकन करिए**ड** थाकि ল। হেন কালে **সন্ধা**র প্রাক্**কালীন সেই** প্রামের গ্রাম: কোটাল খদিরাম দদার ঐ পথে গমন করিতেছিল। তথ্য शाहिनी ले को होल शृक्षक मुणन मारल हे छा विस्तान त्र কেন আর কালান্ত কালের নায় কন্দর্শের দর্পে পাণান্ত मने दने कि गिन ब धुकि यफ् कतित्व बहे भाभ यत नात অবসর পাইতে পারিব, স্তরাং ইছা ভাবিয়া ঐ গাুমা क्कोरियाक होगानिस पश्चिमांक डेमांक ६ वक स्माउ চঞ্জন দটি করত কহিতেছেন: হাঁগা ঘর শোভার দাদা

क्षेत्रवेत सामारम्य वाड़ीएक अनमा ना। चुनिताम कवि-্লন কেনগ।। যোছিমী কছিলেক ওগো আমার একটি भूषा चारह कांग्रेण शक्ष कहिरमन जीन वहे गानिह 'जनाता। त्याहिनी विद्यालय तम खिए त्यालन वर्ष, हेश ্লিয়া ঈষদ্ধান্যে নয়ন ভ্ৰিতে ইভিতে রুঞ্জে স্তুনন্য ্রগান্তর করিয়া পুনাঃ অম্বরে সম্বরণ কটিল অর্থাৎ স্তাল । চ হইতে বস্ত্রণ করিয়া আবার আচ্ছাদন করিল। त्थर के भीन खरीत सनस्य थूमिताम मर्गा भोज शांज ांध्दियां यक्त यांक्रात्र मञ्जा शृय्क करका करे কে পুলোলে মোহিনা সহিতে কটিতে কটিতে পুৰেশ 'ইল। পরে ঘোছিনী অমনি নির্লেশ পাইয়া নিজ ्रशंजाक **के**ठिया (काठील भूध नाम उत्तर फाइक मृष्ट्य 'বাংশ পুলাত আলিঙ্কনে মদন বাণ ছেদনাংশ অভি राष्ट्री गरेटलम्। ख्यारहां करे। ्मांक।

নক্রীণাং মপুর ক**ল্ডিং প্রি**য়োবাপি নবিদ্যুতে। গাবস্ত্র মিবারণ্য প্রার্থ<mark>য়ন্তি নবং</mark> নবং।।

অর্থ। প্রিভেরা ইছাই কহিয়াছেন যে স্ত্রীগণের পুরুও কেহু নাই, প্রিয়ও কেছু নাই, যেমন গরু সকল নিতে নব নব ঘাস পার্থানা করে সেই ঈপ নূতনং প্রুষ প্রীগণের প্রথ্না করে।

এবং পুরুষও ভজাপ। পশুভেরো কছিয়াছেন। শুোক।

নাগু স্পাতি কাঠানাং নাপগানাং মহোদগেঃ। নাস্তকঃ সর্বাভূতানাং ন প্রসাং বামলোচনা।। অর্থা কাঠেতে অনল তপ্ত কভ নাহি হয়। নীচগা মহীতে জলুনিধি তৃথ নয়।। পুরণিতে নাহর তৃপ্ত যুদ্দ মহালয়। পরাল্যা পুরণিণে পুরুষ তৃপ্তান্য।।

এবং ঐ কবিতার অর্থ জীদিগের প্রেতিও তার্তম হয় তাছা গদ্য ছন্দে নিবন্ধ করিস্থান।

কাঠেতে অগি তৃপ্ত হয় না নদীক্ষে সমুজ তৃপ্ত হয় না সমস্ত আণিতেও যম তৃথ হয় না পুকুষেতে জালোক তৃপ হয় নাইভাদি।

CTTE !

সাহঃ গুণাশুরং কীর্ভি যুতঞ কান্তং পতিং রতিজ্ঞং সাধনং সুধানাং। বিহায় শীঘু বনিতা পারং নরং ক্রবাতি হীনং গুণ জাতি বলৈং।

ন্ত্রণাধার কীর্তিমান সুক্তর বরণ। স্থতিবিচ্ছ ধুনবাং, তরুণ ঘৌবন। হেন পতি তাজি শুণ ত্রপ জাতি হীনে অকাদ্যর রতি দেন যুক্তল জীগনে।। অত্যাব ইত্যাদি।

পরে ঐ ঘোছিনা সারা নিশা মদনোৎসবে মন্তত হাইয়া প্রাত্তে মৃত্যুবই হাইয়া পুদিরাম বারুকে বিদালিলোন। তথান ঐ হুটাই পতি কটাই শন্দে চটাইছার পুলিং কটাইই পাদুকার পুলিতে বটাই বহিষ্কৃত হাইয়া সভাগমন করিতেই আফলান্দ্র ভাগিতেই হাসিতেই ভাবিছে যে আ এ পাড়ার মধ্যে লোফাতে আমি। মোর কাজেনে মেরা দ্বলো উপর পড়াইয়া রাত্রে কম মঞাই গেছে তরু দাঁতে মিসি দিয়ে হাইনি ও মাথা ছিলিটি কাটিনি, আথি ঠেরিনি, যাইউক মেয়ে মানুর একপার ব্য করিতে পারি। কিন্তু ব্যাথ দের বেটা এবা উপরপড়া হলোনি। ভালো যাক দুদিন হতে হতে হক্ষা, এখন নৈতুন রশ্টা দিন কতক খেরে নিই। ধ

শৈ ভাবিতেং যাইতেং নাকি সুরে একটি টপ্পা গাই-তংহন দে টপ্পা এই।

ভাল খেফটা। রাগ চণ্ডাল। ছোকরার পীরিঙি দুকরী ভৌরে দেখাবো। भूते। धन्ना धरत घाटनत चटन क्रतेशक्ते यो शांतादित। ।। এই রপ টপ্পাটী গাইতে ্ তাটা গ্মন করিলেন অন-न्त तक्किन त्यादन अं दक्षिण गांनत मछम्भात भागती আগাৰে উপস্তি হইবা মাতে মোহিনী মহা দুখে দুখী ্টিয়া কহিল ওছে প্রাণকাম এপোণ তোলায় না ছেরে पटण खांग हिलामा उट्ट ट्यायांग्र प्रचन कहिट्टरे उपाचाद ালকে প্রান্থ ইহা শুনিয়া কোটাল বাবু ক্টিলেন ভূমি িবিবার জন্যে ভেবেছ, আমি বার্লন, বার্লন, আমবা-ান, জলের ঘাটে, টুপ। ইছার ভাৎপ্য) ঐ নৱ সুবর্ডী थल विकासिक लागमें कविका महतावत उठि नाज मार्ड्स ্রিনে ছিল তথন ঐ ফোরাল বারু ভারিকটন্থ আমো-ানের মধ্যে প্রজ্ম রেণে থাকিয়া নীর মধ্যে এক লেখ্ট্ নিক্ষেপ করিয়াছিল। এই রূপ বিবিধ লাশোভরে হাস্ত্র ্লে রতি কৌশলে যামিনী প্রভাত হইল ও পুদিরাম াৰুৱ সেই পৰ্যান্ত ৰাটী হাওয়া ক্ৰান্ত বহিল। ক্ৰমে মিতাং নিত; শেবার উভয়ে নিযুক্ত চইল। অনপ্র মোহিনীর স্বানী সাগুপ্ত রূপধ্র দাসী কর্ক অপনা নত অভিযানে কেশ শূর্ মন্তকে বাগাজাদন প্রসের এথাৎ নেড়া মাথায় চাদর বান্ধিয়া ধিকিং চলিভেছে ন এবং রুদ্রতী কর্তু ক্রুড়ে যে যঞ্জরানি পরিতান্ধ। ইত্যা-५ ल्यांक लोका यानर किंछ, कतिरवर विवासमान समस्य গ্য নিকটমু হইয়া ভাহাদের হাস্য পরিহাস্যাদির হাষ্ঠা

কর অনিয়া বিশ্বয়াপর হইরা, ধরাক্ষ্, ব্লাবে দৃষ্টিপথ্য করত ক্রোধে গরহ থরং কমিত কলেবর হইরা অটিছে বাটাতে প্রবেশ করিয়া গৃহের ছার খোলা, গৃহেব ছার্ খোলা, এই বাক্ত প্রয়োগে মস্তকে হস্ত দিয়া বদিলেন এবং ভাবিলেন যে রাজ্কনা) যে যক্তরাণি পরিভালা-রি শ্লোক পাঠ করিয়াছিলেন ভাছার ফল আমি পুতা-ফাই পাইলাম। হায়ং ভামার ভার্মা জতি হৈর্যানিত ছিল কেবল আমার পাপেই পিয়া পালিনা হইল। আহা আমি কি কুলালার জনিয়াছিলাম কুলালার করি লাম এইকপ বছবিও খেদোজিতত কভলত দীর্ম শাক্ষ পরিভাগি পুরন্ধর অলার হংসারে গরাছা পুত্রইরা দ্ধ্য বং আপনাকে মানিয়া হে প্রমেশ্বর জগদীশ্বর গ্রহার্ম থনাথ দীন হীনে রক্ষাংকুক্র রক্ষাংকুক্র ইভাাদি দৃষ্ট গানে বনগামা হইরা সাধু সল্ল লইলেন।

নাপু সুজের সাধুসন্ধ বাতীত উপরোক্ত সমাক্ বৃত্তা ভের তাৎপর্যা এই যে পরক্রীতে আগক্ত হইলে মন্ত্রীতে পর পুরুষ ভোগ করে আর পর পুরুষে স্ত্রীরণের অভি পুরিতি হয় এতাবলাল স্ত্রী সনিধে পুন্তার করিলে স্তীগনের কুলাচার অভিক্রন করেন অর্থাৎ কুপথগামিনী হলে আর ক্রীরন্থ বিদ্যারত্বৎ অভি যতে রাখিবেন যেহেল বিদ্যা প্রাক্তর বাতিত পরক্ষরাখিলে বিপক্ষরৎ হয়েন

পানন্তর ঐ শঙ্দাগরের ত্রী উপপতি দহিত অবি
নিদ্ধান্তক মদনোখনবে শাকিলেন পরে একদা ঐ পুদিভান মোহিনীর গলদেশে হস্ত দংলগু পুরংসর কহিলেন
যে প্রান আল মোর পিটে খেডে বড় ইফা গেছে
গোহিনা কহিলেন স্পা ভার চিন্তা কি এক্ষণে পুস্তুত করি

হা বলিয়। তূর্ণ তগুলাদি চূর্ণকরিয়া দরু চাউদী िनी चानि नस्नि चर्चाः चान्तके अ त्राध्यानि श्रष्टादर ুথাত ময়দ। প্রভৃতিতে পরী কচুরী পুল অর্থাত লুচি টি তাদি বিবিধ পিষ্টক পাকান্তে পাত্র পূর্ণ করিয়া এ কোটাল পুল ববিকে ভোজনার্থে শাদর পুরংসর দলো रन कड़िएउएक्न। **अल्लास्ट जला विश्व अर्थर**कारा .মনোচোর। এসোনা গুনিতে কি পাওনা। ইত্যক্তি ক্রন্ত ाज नृतिद्रोप रातु कांख्यारम खक्र हेमर हमर बनर ामानित्त त्रिक्षा कतित्वसः । ६४ (माटक समि त्राहा न्द्रमञ्जालाक विका गृहे शिष्ठा धावृति। योहिनी ्रिलिम हि हि लीम अक्बोल प्रामा। जामार चारि ্ৰামায় ভাৰেং থাওয়াই ইড়াজে গে নঞ্ল ম্বা পাৰ ভবা **ভাচ: হচ্ছে লইয়া** পুদিরাম আ<u>দুরু বদন বাছিন</u> তরিয়া গ্রাসপিণ কৃতিবা মাজ খুদিরাম রাম্ব শব্দে খুখু ংরিয়া ফেলিয়া কছিল। যা যা যা। ভুই কি পেলের भिक्ते श्राह्माम शिद्यंत गर्स वैग्रेटल करा साथ मा त्यारम्ह लाखन कोरहा शिष्ठी वड़ा नित्य खाम्रत ला। , মারের বৌকে **জানিস্তে। সেই** চিনিবাসের মা, যার ্পট্ট রাস দেখে কায়েত বায়ুনের মেয়ের। ধন্যং করে দায়ার শিল্য যায়।মোহিনী এৎকল উক্তি শুনিয়া ঘৃডাক্ত ্তীত যে সকল পিউক ভাছা থালা ভরিয়া এদিরাম তারুর সমূপে রাশিয়া কছিল। এইবার খাও দেখি প্রাণ। পুনি शम यातु कहिरलन स्थारक जुरलर रत भूहे हैं। कति किस 🎅 ভোর কোলে দুয়ে গাবে। আছে। তাই ভাল বলিয়া মাছিনী ঐ ভোটাল প্ৰুকে ভোলে গোযাইয়া পিউক

খাওয়াইতে লাগিল। পরে কোটাল বাবুরসিকতা ক্ষু লেন। হাহা মুই ফেন হলোদার কোলে ক্সঃ দোলে বেষা হনী,কহিংলেন ছিট্টি আৰু অহন কথা কি বলিতে আছে ঘুদিরাম কহিল ভূই বড় গানিস লাল মানুষেরা সংখ্ भिवलति कथः सहेटन शेकि लोसभा करत मा, क्लामाः মুদ্ধ হেসমা শুধু পোরাম, পোরাম, পোরাম। এই কপ র্ন ভাষে জুধা নাশে পিউক খুংসন করিয়া আঁচমনাংক্ প্রচাপরি উপ্রিট প্রাক্তর কামদেবের ছথের ধুয়ে রতে ৬০% বালভোগে নিপুণ **হইলেন।** গরে একদ: দিব হদদে সময়ে প্রনের গমনভিাবে **ভ্**কতর গুঁলা আস্ভ খুদিরাম বারুজে মেছিনী কছিলেন'লে প্রাণ সধা আ-रा ा छात्र वाष्ट्र दिस्स व्यावः त्मक व्याव स्मृदिएएकि वेका ज्याशकि अमिदास वात् विशित्स छात्र किशा वि ালে: উপর চল। মেটিনী বহিলেন ছাতে যাইবার িছি নাই হৈ প্রকারে ছাতে হাইতে পারি। এদি এন র্ভিলেন আছি। আমি ফিঞির করিতেছি। ইত্যার রুজ সংস্থোর এক ফিছা বপুণ করিয়া অধাৎ শিক্ত প্ৰি: মানু র্মলীকে ভাষাতে বসাইয়া আপনি কোন किराज जामाद्याणति बाद्राहरूण्यंक हेळ निका महार क्षातिनीतम উट्डांनन कतिशा चान्यम द्रांच दिशाव প্রবার্ত হইজেন। পরে অসরোহণ কালীন ভারপ্রসং हिक पृष्टि युक्त न, इष्टेशः चूनिहास बातु পूष्ट निष्टः कराक क्रमा प्रिका निरम् आसिया कश्चि । दश्च का हों . १वे निकालीट बदमा जाशि मीट्या १९६६ मिथ ्रिश शिक्ष है। है से देनदश खात खना छेलाइ मारे মোডিলা ক্টিলেন সেকি পাৰ ইয়াতে যে প্ৰাৰ ছাং

मछा व मुशामिका

শ। পুঁদিরাম বাবু কছিলেন দুর তুই বড় জানিস দতি পা কতুপাতকোয়ার ঘটি জোলা হয় আরে এ কর্মটা।

নে না নেং শিকের চাপ। মোছিনী এমন কপ কোটা।

নে বাকের বিশ্বন ছইলা মনজন্ম শিক্যারোহণ করি ও
কলাই পরাত্তেশে পভাত নাতে স্ম, শাহের ভবনে

ন করিলেন। ভ ইছা জনজাতি লারা তদতে বাক
কে প্দিরাম বাবুর আনদ্ভ ছইল। অনস্ত আকাশ্র কাকাশ

নি ইল মেনন কর্ম ডেনন ফল অবশ্যই বান জ

(MIT!

ত্তিব কৈ স্থিতিমালৈ ক্সিভিঃ পটক বিভিন্ন ন ক্ষাত্ত কটিঃ পাপ পৰে। বি ইছৰ কল মুশ্ৰুক । ভাষা। পাণ্ডিত কলুকি ভাছ, ক্ষাড়িল গছে ভ্ৰিলা । পোপাকি প্ৰা ভাষা কতকি যে কল ভাছ বিনা নিবাশ । তিন প্ৰকে বা তিন্মানে অ্থিত তিন ব্যাংগ্ৰেই

> গাঁত। রাগিনা (১ বিটা) তাল ৫১কং। রমণী রমণে যদি এও স্যতন নেনঃ। ডেতন অপা রমণীরে কর অংশিজন।

কামিনা বক্ষত ফলে, শইবারে করওনে, সদ, ওপ গদভলে, কেনরে লুগুন। ওাজরে বিক্ল ফলে, লোভি বেরে চারি ফলে, চলরে স্থান দলে, করিতে রহণ।

বিচ্ছেদের অধাকারে, কিব্লুখ প্রেমকতে, কেন ছাত্র নিরেই, হও জ্বালাভন। ভাই গোরে গলি আমি, সেই ভানে ছও প্রেমী, বিচ্ছেদের ছেন্দ্র হয় সর্বাক্ষণ।।

শীলকান্ত রসবতীর ভবুজানের তত্ত্বে প্রবর্ষ। नमा। अश्वादन नोलकान श्रीय तारका तमवजी नहिन काल राभन कत्र अकता दुख्नी (याद्य स्वादा नगड़ि ব্যাহারে বিহারাতে বাটার পাশ্বভা কুনমাটবীতে খু গত হইলেন। পরে তথা মন্ধ্ মারুৎ আলিয়নে । বিবিধ প্<mark>ষেপর গছে ও মানা জাতি পল্লির</mark> ধুনিতে ব দ্পাকরের 'দুধাসিজ জ্যোতিতে উভয়ে ফ্লখনুর শরা বার ছইয়া রতি প্রভৃতি বিবিধ ক্রিয়ায় মনোভিনিবে करल नीजकार श्रीप्र त्यारमी खाँख कामु खाराव कहिरनन टर एह शिनस्ति निक्रमञ्ज भूषाक्र पञ्च यूषि अहे धयेगान দা পাবে মানবগণের জনা গুছৰ করিয়া কর্ত্তব্য কি ভাছ अप्याद अकाम कतिहा कहा एमथि। तमवा कहिएला তে স্থানাথ **অপেনার জ্ঞাপদপঙ্করে অনুগৃহতে** । অবিলীর হজেপ শিক্ষা ভজ্ঞপান্সারে নিবেদন করিতে ঞি। তে প্রিয় ছে কান্ত শুরণে শুরণপাত করুণ। মান-গণের কর'বা এই ১০ প্রথমে বিদ্যাধ্যায়ন করিছ হিতাহে ধনভেনি করিবেক, ভৃতীয়ে সেই ধন ছারা ধনা र्कन क्रितित हेशास कड़ार्य कड़र्वन बाख भद्रमाध्वारी পরম পুরুষ পর'হপর পরমেশ্বর লভা করিতে পাা. বেন ইছার বিপারীত ছ**ইলে বিপারীত ছ**ঞ্নের সন্তাবন,ু

ভধাচোক। শ্লোক।
প্রথমে নাজিতং বিদ্যা দ্বিতায়ে নাজিতং ধন
ত্তীয়ে নাজিতং পুনা চতুর্থে কিং করিবাতি।।
এডজপে দমতির বিবিধ প্রকার প্রশোলর হইট থাকিল পরে সেই উদ্যানের প্রাস্তভাগে কোন পর

ীনর বক্তা উহারা শুবণ করিয়া তৎপথ গ্রনেজ্ঞ ্য়া কাল যাপনে নৈপ্ৰা ছইজেন: পেরমহংশের বস্তা যাছা শ্রাতিবা শ্রণ করিল

জাৰা তক

जिलामी। क्षीत एवं किता लग, कर किता शांतिमाः। মধ বিক্রম বরিষার। জামেই ভব ক্রে, গানে কাল त करम, ভারোপায় किवा कतियोग । পরিজনগণ शतिहास कति तृष्यः शतिवास आहि शतिहरितः েই মৃত্ত ছবি, জানমগ্ৰয় ছবি, ভার চিকা কে লাইb ति ।। करत विरुद्धित शक्त, विसन्न कतिस्त शक्त / व ४८७% धन १८८। **अल्डर**ल मिठांकत, ख्यान सि टाकत, जिटाकत सम्बन्ध करत । होत मह्तादरत छत, েতেভে জনরব, আয়ুর্বারি শোকে এড় করি 🗀 জল । জালাশন হৈল বেল মহাশয়, লবে মার। প্রাণ্ড মান রা, বারি বিনা চত্দলৈ প্রভূপি সহসুদল, বম্ল श्रांटत मध शारत। कमल छडेरल कर ३ म कि कामगत् . क्रांग्य विक्राम भारत । फाएकर सम कीर. ্রপি হারে শর্জান, ঘাচেডনে মচেডন কর 🗀 চৈত্র ্রেল ছৈতে, ষড় করি ভাওঞ্জেনে প্রারিতে নারিবে उठकता छिन्क इशेट्स प्रस्थः, भ्रम्भ एव श्रक्तः, 'ন পক্ষে সদিন ঘটবে। মায়া জাল করি ছিন, কেভি। রে ভিম্ব, সদানকে তেলা আর্মিবে।। কুপ পুর বি কাৰে. কেমেতে সহস্দৰে, হংস্থিয়া হইবে প্ৰেড **म्हिकारण प्रति ভारत, ताबिए। यनि मन्दित, फिन** 'হে ভাবিৰে দিনেশ। যত্ত করি ভেদ, যভচ্চে रसम, जारसम् खामाश व**छ इ.०**!

कतांत्र निषिधानन, निखार खनुक्रीतन त्रस्त ।। अनी এই সংস্ব, সার মাত্র শারাৎসার, পরাৎপর যি। स्म निजा। शाकिश खाँछ निजंदन, जार मिरे निराश्चरी পত্য ^হহতে পাবে সভাই ৷৷ বেদাদি ষড় দর্শনে, র १ १६ धारमुष्ठरन, बक्का विष्यु आपि यत मृति। नमः उर हिन्छ, छाविश। अकास हिन्छ, व्यक्तित व চিন্দ্রমেলি : গানাডাত জানাতীত বর্ণাডাত শ্রাডাত র্শতিতি আদি দুটাভাত। ভথাচ যে বর্জারাপ জনক্রতি দক্ত ব্যাপী, অন্তি বাকো জগত প্রতীত राष्ट्रेद्ध विद्वक मास्ति, किन कर सास्तिर, आसि वन मार् are कहा । मुक्कन शांकन कहा, ग्रीहात डेप्काय हरू, ि কার নিতা শেই বিভ .. উদ্ভিত্না আরে স্থেদজ, অন্ काः यम्क, एडग्रां कराइ कराइडन । अनुकार ্ ৮০০. গতি কৰে পদব্ৰকে, চেডন চইটে সচেডন कर मकात उद्धिक, त्राचन शहेत्य बीया, एथा ह स বিহান হন: ওজেপ নাস্তিক গণ, গতিহীন হৈছে রন, 🔆 • ভন ল' কিভে সচেভন ।। অত্তরত চার বাক, কেবল অ• ত্ত বাক প্রতে **অবাকে কি ফল। তাজ রুল নি**রান ্ৰ হৈ স্বাচিদ্যানন্দ, কেন কাল ছব্লিছ বিফল 🙃 🧺 व्यक्षिता सन निर्मा किन्न विश्वन, मर्वकृत्व हर मिट्ड: त्मरे श्कृष अधान, गर्क कोरबत निशान, वि तिरम्म तिमानिएउ।। यहि ভाव मि**डेखन,** চভুভুত ना য়ণ, কিয়া তিনি গ্ৰানন হন। কিয়া তিনি সভা-কিয়া ভিনি পঞ্চানন, কিয়া ভার চতুর্থ জানন।। 🤼 ভার নান্তি ভূজ, ুঞ্জিরা ভিনি বড় ভুজ, কিয়া ভিনি 🕆 व्यक्त । কিয়া তিনি হয় ভ্ৰু , কিয়া তিনি দশত

किया जिमि काठोपम जुन।। किया जिम जनाकात, কিয়া অগ্নি অবভার, কিয়া বাস্ং কিয়াই বা বম। কিয়া जिन रक्नां उर्धर, किश कांग्रे त्वांग्रे हर, किश नीना স্থারর জন্ম।। তবে শুন প্রত্যুত্তর, ইত্যাদি হইলে পর, মিত।ত্ব থাংকেনা সেই নিভে।। সাকার হইলে কায়,অবশ্য নালেরে পায়, বিনাশ বভায় তবে সভো।। অভএব এ वक्त, आक्षत इस्ति प्रभान, कालीम नार्याद नाम नाता কেন ছাও জোন হস্তা, কেশেতে ধরে নিয়ন্তা, মনে কর উক্ত र्राचारमाय : आंत हेरश कत बैका, मनय भारतंत्र ताकः, মীমাংশাস অতি বিচক্ষণ। যাছে আতা প্রাম্ভিরণ, পেছে-হিল আশ্বান, ভার সেই মীমাংসা একার।। ছাত্ত ८. बाटक्ष्म, खाक्कर अविदल्ला, देवहांशा दल्दल खालुह करा। म्णित मर्क मिलक, जाइंडि श्रद्ध सिक, दक्त मादा ग्राफ प्रके र छ ।। । छ। व । य श्राप भाग भाग । वावमा श्राप শ্রমণ, গোজ্পাদ ভাবের দিকা ছবে৹। নিজ্পাদ কালের পাদ विश्व ६६व मध्य, शह्मर त्याका यम काट । शहभ भव्र । न**्भ, भादेश भव्यानत्म,** प्रसाय एक व्हेर्दात् केळ. ॄै অজান ডিমির পাশ, অচিরে হউবে নাশ, প্রকাল হউলে अभिष्य । व्यक्तिम गर्भक्षाः, डात त्मरे भिताश्वन, आफ्र অল্ডীন বিনি ছন। গাঁর কৃপাবলোকনে, কটাদি মন্ধ। গণে, আছার বিহারে স্থে রন্।। দেখহ তাতি কংগাতে, প্রাণী প্রাণির জঠবে, পারে কত ছঠর হল্লন। ভালি দেই নিরাণ্ডুন, দেখে এই ত্রিড়বন, ক্রমে হয় ম'য়া সংঘটনা ৷ নির্নিত আগ্রু বল, প্রতিক্ষণ হয় হত, स्तरह तत्त देशन अस आहा। मुर्क रक्ष निम प्रिम, महि ভাবে সেই দিন, যে দিনে পলাবে প্রাণবার । হেরিয়ে

श्रीरा नाविशा, यस्य काव कामि भना, यांगा नेशा हुई गर्वकान। किंह ट्डार्ट्स (इति देमना, बाहात ट्डायाह, क्रा. धार्तान नर्यना त्महे क्रन ॥ शस्त्र क्रिया हाणिए ै ত্রন্দে করে জন্ত্রাফিড, কিবা ভার আশ্চর্য্য ব্যাপার। ामश्य भ मनत खाली, कृषिके ना देश खानी, श्राहाधात त्थात शरहाभाता। कात तम्थ लकरे, कक्कत स्ट्रेटड तक, जारक श्रनः माथा (प्रया यात्रा कर्मार रेहत्त्र ম্ক্ল, কড শত ধরে ফুল, পরে ফল ফলে যত ভায়। পারে দেই প্রতি ফল, পাইবারে প্রতি ফল, অন্তুর कद्रास ऐथ्लामन। **अहेक्ल ए**कद्र कात् क्लास **हर**ंह ারে, সেই জন জগত কারণ।। আমি করি আমি হই, এট বাংক্য হাইছ, করে তেন লভিত্ন যন্ত্রণা। লয়ে কেন্দের ' বিধান আপিনারে যন্ত জান, করে সেই ছব্রিরে ভাব-म। । गणि पर्या कर मरम, आयात निरश्हत विस्तर विकास बाहि इह नवाभन । किंदु उद्ध मुह मन, स्म छट निरम्नी हर, युक्ति प्रक जीव अदनुष्ठन ।। जन बीदि ममस्तिन ্ষর। ভাবে ভাবে ভাবে অভাব হৈতেছ কেন ভাবে। বারেং পরিবভে এড বা অমিতে মতে, ডভু বিনে ভাষ্ট পাবে । পরি **হর অহস্কার, ভোবে দে**খাং (कवा काव, टकाशा देशक अस्य काशा सार्व हरेदा ঘায়ায় বন্ধ, সকলের হয় বাগে, অনশেষে কালিয়া কালা-य । एसथ (मर्के किया कांज, रशकार्ज धरिरव कांज, छश्रम কিকাল ব্যাক্ত সরে। পড়িয়া থাকিবে সর, পড়িয়া থাকিবে শব, তাজিবেক আত্ম বন্ধ সবে।। হখন আসিবে ভার', কোগায় থাকিবে ভারা, হারা তব অভি প্রিয় তর 🕝 হইবেরে ভারা হারা, ভারায় মিশারে ভার

াই বলি ভার চিন্তাকর।। যথা বৃদ্ধি তথা ছান, ক্সি-🖜 অসম। নাশ, কভু মহে বিনাশ বর্তিত। ক্রণ ওলুর ারন, সম পাত্রের জাবন, জাবনের বিষু প্রায় স্থিত।। ুবেরে অন্থিত দেহ, স্থিতা স্থিত ক্লন্ত দেহ, পাথেয় 'ররে উপস্থিত। যেতে হরে দেই গ্রাম, যে গ্রামে ারম ধাম, হৈতে যবে এ গ্রাম বঞ্চিত।। অতএব লাব-াম, যান্তপান আছে ভাগন, কর্থ বৈরাগ। অভ্যান। বিমে ানর্থেমন, সদা স্থী হবে মন, ডাজ দয় মেছে উপ-ाम । यमि **बर्ड** উপদেশ, মনেতে दहिला स्वय, াকেন্দ্র আদেশ লান্ত্রি। ২নে কট নানা রূপ, স্ত্রী এর শুল রূপ, জোন স্থানে নিস্তার না পাবে ii **দেখ** हे सम्बन्धित कर्ष् देवसा विक्षिति, व्यश्कास्त्र भन्नि-দ্রা কাল । ভুন লায় সংগাপতি, হইংম শৃংষ্টার অত্তি, গতি क्ष कर गांका क्या हा। भारत दान शांभिक वित, व्यवसृह्हे स्त्र ाहि, बर्क्स **बर्क्स कदिल अ**च्छित । शास्त्र स्थम **अ**ख्यिका, জ্জায় পলায়ে যান,দরোবর নীয়ে ধিরেই।৷ তাশুর পায়ে प्रक. इन्ज अधा कांत्रक, खर्थाष्ट्र एवंबर्ट अवस्कात्रः। । हे दर्भारत मिहाकत, क्षांकां निशा पत्रकर, रूपश विसीर्ग । র করে।। ভাতে পদ দর্শগারি, মুগুকের যুক্তি বরি। ्रकृष्ट् सर्व ४ ७५ करह[े]। भूकत रमधिक, **स्ट्रम, गरन क्रिस** চন্তুন, আর থাক; নছে সরোবরে।। অতি নীচ জলা। া, নাচের ল্যে গ্রাশ্য, দেক করে ভেক বক্কণ। নাচ ''ন হৈলে বাস, অবশা ভদ্ৰম্ব নাশ, উক্ত আছে পণ্ডিড খন ৷ অতএব নীচাশুর, পরিত্যার যোগ্য হয়, উপ-রু উচ্চের আশ্য়। এতেক ভাবি অচিরে, আরোহিয়া ি শিরে, স্তনকুন্ত করি কুন্ত হয়। কিন্তু তথা সেই

मुखाः अवानिया श्रीय वीर्या, कवि कुस्रवस्त जालाएन পর্ণহারি প্ররায়, ছস্তিপান হৈছে তায়, কল্প প্রচাল महिकाण।। कति मित्र क्रांबाटन, टेक्ट्य क्रांविटलन सुर शास पंडित कोथाश। संशास भागत कति, महार अभा অবি, পায়ং হেরি অনুপায়।। এত ভাবি কুচবু, ভাজা করি কবি কুলু, নারী বক্তে করিল প্রন। দংগ্ भक्रिय कहा, रेशस्य (माडे भिवांकता, व्यति छात्व कतस्य अस ন। দর্পতারি পানবার, হৈছে অবোধ কুলার भागान कत्राह महा परस्र । खट्यर ख्राहारहार कितिल मोडि नियांत, धरमा एकाशिय खामा धरम ভাই বলি ভঃজ বল, করং সাধু পদ্ধ, অনিক্রেচনীয় ব हिटका जिल्हा र किस किस, जिल्हा छ इटेल लीस, जार নিজাণ হৈতে অন্তেট প্ৰড় এই ভবে, আহি না অ'টিটে इटन, जान मा कहिएए इटन प्रमा जात मा धाकिटन क' আর না থাকিবেরাস, আর না থাকিবে নিরানক कार मा थाकित हाम, बात मा शांकित याम, बात প্রাকিবে অগ্রার আর না থাকিবে ক্লেশ, আয় স্বাকিষে শেষ, আর ন থাকিষে পারপোর।। আর থাকিবে জান্ত, কার না পাকিবে শুক্ত, জার না থানি मार्कानमः। আह न थांकित त्याक, जांव न था ग क्कान्छ, खाद मा थाकिरव छलाछन । खाउमा निश्वि ছবে, অবশ্য নিশিক্ষ্ পাবে, চিসুং ছৈয়ে এক চি किन कालाब अधीन, दिएए छात पिन पिन, कबर ध নের তকু ।

গতি। রাগিনী পুরট যোলার। তাল ধিমে তেতালা অধানে থাকিবে কড জার। মনঃ জামার।। 🦡 কভ কর দিতে ব্যরে বাজন ভরে কার্থান ছইছে। করে গে নাকি ভোষার দ

চলামন বিধোকারে করে ধেনাপার্টি। সমর ভারতে গুলিফাল্ডন সংগ্রেছি। এবে বিশুর্গে গুলি সঞ্জি। ভারতের ভিনে গোজা নিজ অর্থানের

থ জে পুরালিক। কাজাপেকে । ভাপা হাড ১৯৯৭ সংসাহে নিজিল্টন । ভাবে কেই কাকিকার কাকি ১ ১ নি বিভাগে ।

্ন ন শাস্ক অসম্যা, ৮০ই জেবের বন্ধা সমূদ্য, আসোকা ১০০ গ্রেছিস, ন্তাভ্যা কর বাং ভাবন :

र्शकियार महाइ.



শুদ্ধি পত্ৰ।

পত্ৰ ৷	পংক্তি।	ख्यद्धः	3 8 8
>8	38	নিস্থারণ	্নিঃ সর ধ
- 36	474	विश्वार न	विश्वारम
<u>'इ',</u>	e ha an ver	watem	ध नाम
3.5	24	ক ণ্টের	करश्त
. जे	38	ज रह ए.	সচেত্ৰ
47	\$,	বিন্ধ	fen
25	Į,	উক্পরে	উক্সবে
20	;	अलक माञ	वागमगढ़
)	٠ ١	করিয়া	ক ই য়ে)
ζ.	4.0	उ ट्या म	क्षेट्य ह
20	,₹,	the state that	सरश्
· +-	b	១ ឆ	51 25
٠ ٿ •	. 4	रिकल	रिक्स
\$ 5	5	8 8 1 4 · 1	मा मा कि दा
* 1 P	53	দিলভোবে	नहां जादन
-	4.7	অসঙ্জ িন্ত	অসমা কি
*4	\$ w	34.m²	अंदिभ
ه و د ^{له}		क् भ'	25 L!
٠,	′ 3 ₇)	मा अन्	30/ 54
· .	3:	नग्रमानदक	नेश्वन (४४%
" ,F	3	পরাবাব	পারাবার
.*	38	नग्	সায়
	シ コ	পল্স	लहर

শুদ্দি পত্ৰ !

পত্র। পংক্রি: , অবৈদ্ধ

14 छाङ्कि युश्रमम वृत्त, मश्रारम कति छ्यु. রয়াল করলো রসবভঃ।

> 🕆 দৃশ্টিনিষ দ্বিয়ে শ্রিয়ে, করাও ছে নিষ শ্রিয়ে নেত্রের বিকার বৃদ্ধি অভি:

可有

क्लिम मन नेरम मन यहा यहा करत छन. वसाम करणा उसवर्षी :

প্নদৃষ্টি দৃহ্ আন, করি আমি বিচ পা ্রেজের তিকার বন্ধি অভি ।